Re-Accredited 'B++' 2.86 CGPA by NAAC
VEER NARMAD SOUTH GUJARAT UNIVERSITY
University Campus, Udhna-Magdalla Road, SURAT - 395 007, Gujarat, India.
વીર નર્મદ દક્ષિણ ગુજરાત યુનિવર્સિટી
યુનિવર્સિટી કેમ્પસ, ઉધના-મગદલ્લા રોડ, સુરત - ૩૯૫ ００૭, ગુજરાત, ભારત.
Tel : +91 - 261 - 2227141 to 2227146, Toll Free : 1800 2333 011, Digital Helpline No.- 0261 2388888
E-mail : info@vnsgu.ac.in, Website : www.vnsgu.ac.in

# -: પરિપત્ર :-

યુનિવર્સિટી સંલગ્ન વિનયન વિદ્યાશાખા હેઠળની તમામ કોલેજોનાં આચાર્યશ્રીઓને જણાવવાનું કે, શૈક્ષણિક વર્ષ ૨૦૨૬–૨૭ થી અમલમાં આવનાર NEP-2020 અંતર્ગત ચોથુ વર્ષ બી.એ. ઓનર્સ હિન્દી સેમેસ્ટર–૭ અને ૮ Honours (with OJT/without OJT) અને Honours with Research નો અભ્યાસક્રમ અંગે હિન્દી વિષયની અભ્યાસ સમિતિની તા.૧૨/૦૨/૨૦૨૬ની સભાનાં ઠરાવ ક્રમાંકઃ૦૨ થી કરેલ ભલામણ સ્વીકારી વિનયન વિદ્યાશાખાની તા.૧૦/૦૬/૨૦૨૬ની સભાનાં ઠરાવ ક્રમાંકઃ૧૧ થી કરેલ ભલામણને એકેડેમિક કાઉન્સિલની તા.૧૮/૦૬/૨૦૨૬ની સભાનાં ઠરાવ ક્રમાંકઃ ૫૩ થી મંજૂર કરેલ છે. જેનો અમલ કરવા આથી જાણ કરવામાં આવે છે.

(બિડાણઃ ઉપર મુજબ )

ક્રમાંક : ઓથો./પરિપત્ર/સિલેબસ/૧૩૬૮૨/૨૦૨૬
તા.૨૩–૦૬–૨૦૨૬

કુલસચિવ

પ્રતિ,
૧) યુનિવર્સિટી સંલગ્ન વિનયન વિદ્યાશાખા હેઠળની તમામ કોલેજોનાં આચાર્યશ્રીઓ.
.........આપશ્રીની કોલેજના સંબંધિત શિક્ષકોને જાણ કરી અમલ કરવા સારૂ.
૨) ડીનશ્રી, વિનયન વિદ્યાશાખા.
૩) પરીક્ષા નિયામકશ્રી, પરીક્ષા વિભાગ, વીર નર્મદ દ. ગુ. યુનિવર્સિટી, સુરત.
.....તરફ જાણ તેમજ અમલ સારૂ.

**VEER NARMAD SOUTH GUJARAT UNIVERSITY, SURAT**

# B.A. HINDI Semester-7 (Honours With OJT)

| | |
|---|---|
| **Name of Program** | Bachelor of Arts |
| **Program Abbreviation** | B.A. |
| **Duration** | 04 Years Degree |
| **Eligibility Criteria** | H.S.C. Passed 04 Years (Honours Degree) |
| **Pre-requisite** | साहित्यिक ज्ञान में रूची |
| **Medium of Instruction** | Hindi |
| **Objective of Program** | 1. छात्रों को हिंदी विषय की राष्ट्रभाषा के रूप में विशेष जानकारी प्राप्त होगी।<br>2. छात्र केंद्रीय भरती बोर्ड की सभी परीक्षाएँ हिंदी माध्यम में देनेके लिए सक्षम होंगे।<br>3. राष्ट्रभाषा हिंदी के रूप में विदेशों में भी प्रचार प्रसार बढेग़ा।<br>4. भारत देश में हिंदी भाषा पर्यटकों कों विचारों का आदान-प्रदान के रूप में एक सूत्र में बाँध सकेगी।<br>5. हिंदी भाषा कें माध्यमसे भारत देश में देश प्रेम की भावना बढेगी। |
| **Program Outcome (PO)** | PO1 : छात्र 'कामायनी' के माध्यम से जयशंकर प्रसाद की काव्य-यात्रा, छायावाद की विशेषताएँ, रूपक एवं महाकाव्य तत्वों को पहचानने और 'गोदान' उपन्यास के अध्ययन से छात्र प्रेमचंद की उपन्यास-कला, यथार्थवाद, किसान जीवन की समस्याओं तथा सामाजिक संरचना की समझ विकसित कर सकेंगे। एवं उनमें अभिव्यक्त दार्शनिकता का विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।<br>PO2 : छात्र प्राचीन से आधुनिक तक के प्रमुख साहित्यिक सिद्धांतों और चिंतकों की विचारधाराओं को समझ सकेंगे।<br>PO3 : हिंदी कंप्यूटिंग और डिजिटल उपकरणों के व्यावहारिक उपयोग में दक्षता — छात्र कंप्यूटर, वेब पब्लिशिंग, ई-मेल, ब्राउज़िंग, डाउनलोडिंग-अपलोडिंग और हिंदी सॉफ्टवेयर जैसे तकनीकी विषयों का प्रयोग करना सीखेंगे।<br>PO4 : सायबर सुरक्षा को समझने में सक्षम होंगे। |
| **Program Specific Outcomes (PSO)** | PSO1 : कामायनी-जयशंकर प्रसाद एवं गोदान-प्रेमचंद<br>PSO2 : आलोचना / सिद्धांत और शास्त्र<br>PSO3 : प्रयोजनमूलक हिंदी<br>PSO4 : बुनियादी साइबर सुरक्षा |
| **Mapping between Pos and PSOs** | |

| | PSO1 | PSO2 | PSO3 | PSO4 | PSO5 | PSO6 |
|---|---|---|---|---|---|---|
| CO1 | √ | | | | | |
| CO2 | | √ | | | | |
| CO3 | | | √ | | | |
| CO4 | | | | √ | | |

## Structure of Program (B.A. HINDI Semester-7) (Honours With OJT)

| Course Code | Course Category | Course Title | Marksheet Title in English | Level of Course | Teaching Hours/Week | | Exam Duration | | Credit | | Internal Marks | | External Marks | | Total Makrs | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | TH | PR | TH | PR | TH | PR | TH | PR | TH | PR | TH | PR |
| Major | HINDI MJ-17 | आधुनिक हिंदी साहित्य | Aadhunik Hindi Sahitya | 400 | 4 | 0 | 2 | 0 | 4 | 0 | 50 | 0 | 50 | 0 | 100 | 0 |
| Major | HINDI MJ-18 | आलोचना/ सिद्धांत और शास्त्र | Alochana/ Siddhant Aur Shastra | 400 | 4 | 0 | 2 | 0 | 4 | 0 | 50 | 0 | 50 | 0 | 100 | 0 |
| Major | HINDI MJ-19 | प्रयोजनमूलक हिंदी | Prayojanmoolak Hindi | 400 | 4 | 0 | 2 | 0 | 4 | 0 | 50 | 0 | 50 | 0 | 100 | 0 |
| Minor | HINDI MN- 7 | साइबर सुरक्षा के मूल सिद्धांत | Fundamental of Cyber security | 400 | 4 | 0 | 2 | 0 | 4 | 0 | 50 | 0 | 50 | 0 | 100 | 0 |
| OJT | OJT | प्रशिक्षण | OJT | 400 | 0 | 0 | 0 | | 0 | 6 | 0 | 75 | 0 | 75 | | 150 |

Subject code [2601001207010301]

<table>
<tr><td colspan="6">

**VEER NARMAD SOUTH GUJARAT UNIVERSITY, SURAT**

**SYLLABUS**

</td></tr>
<tr><td>Program Name</td><td colspan="5">B.A. (Honours With OJT)</td></tr>
<tr><td>Semester</td><td colspan="5">सेमेस्टर-7</td></tr>
<tr><td>NCrF Credit Level</td><td colspan="5">6</td></tr>
<tr><td>Course Type</td><td colspan="5">Major</td></tr>
<tr><td>Course Subtype</td><td colspan="5">Nil</td></tr>
<tr><td>Subject Type</td><td colspan="5">Discipline Specific</td></tr>
<tr><td>Course Code</td><td colspan="5">Hindi MJ-17</td></tr>
<tr><td>Course Level</td><td colspan="5">400</td></tr>
<tr><td>Course Title</td><td colspan="5">आधुनिक हिंदी साहित्य</td></tr>
<tr><td>Credit</td><td>Theory:</td><td>4</td><td>Practical:</td><td>0</td><td>Total: 4</td></tr>
<tr><td>Effective From</td><td colspan="5">Academic Year: 2026-27 से</td></tr>
<tr><td>Course Outcomes</td><td colspan="5">CO1 -छात्र 'कामायनी' के माध्यम से जयशंकर प्रसाद की काव्य-यात्रा, छायावाद की विशेषताएँ, रूपक एवं महाकाव्य तत्वों को पहचानने और उनमें अभिव्यक्त दार्शनिकता का विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।<br>CO3 ‘गोदान’ उपन्यास के अध्ययन से छात्र प्रेमचंद की उपन्यास-कला, यथार्थवाद, किसान जीवन की समस्याओं तथा सामाजिक संरचना की समझ विकसित कर सकेंगे।<br>CO3 -छात्र ‘कामायनी’ और ‘गोदान’ के प्रमुख एवं गौण पात्रों का तुलनात्मक और आलोचनात्मक विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।<br>CO4 -छात्र छायावादी और प्रेमचंदयुगीन हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियों को ऐतिहासिक, साहित्यिक और सामाजिक परिप्रेक्ष्य में समझने और अभिव्यक्त करने की क्षमता प्राप्त करेंगे।</td></tr>
<tr><td>Mapping between Cos and PSOs</td><td colspan="5">
<table>
<tr><th></th><th>PSO1</th><th>PSO2</th><th>PSO3</th><th>PSO4</th></tr>
<tr><td>CO1</td><td>√</td><td></td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>CO2</td><td></td><td>√</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>CO3</td><td></td><td></td><td>√</td><td></td></tr>
<tr><td>CO4</td><td></td><td></td><td></td><td>√</td></tr>
</table>
</td></tr>
<tr><td>Course Content</td><td colspan="5">Unit - 1 कामायनी-जयशंकर प्रसाद<br>प्रसाद की काव्य-यात्रा के विभिन्न चरण,‘कामायनी’ में इतिहास और कल्पना, ‘कामायनी’ का महाकाव्यत्व, ‘कामायनी’ - एक रूपक काव्य, ‘कामायनी’ की पात्र-सृष्टि- मनु, श्रद्धा और इड़ा, ‘कामायनी’ में अभिव्यक्त दार्शनिकता, ‘कामायनी’ : भाव पक्ष और कला पक्ष।<br>Unit – 2 गोदान-प्रेमचंद<br>प्रेमचंद का उपन्यास साहित्य, ‘गोदान’ : किसान जीवन की महागाथा, ‘गोदान’ : एक रोमांच रहित त्रासदी, ‘गोदान’ के प्रमुख पात्र, ‘गोदान’ का कथा- शिल्प।<br>Unit – 3 छायावाद की विशेषताएँ,कामायनी के गौण पात्र, कामायनी का प्रारंभ और अंत।<br>Unit – 4 प्रेमचंदयुगीन हिंदी उपन्यास, प्रेमचंद की उपन्यास-कला, गोदान के गौण पात्र।</td></tr>
</table>

| | |
|---|---|
| **Reference Books** | 1. कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ-डॉ.नगेन्द्र (नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली)<br>2. कामायनीः एक पुनर्विचार-गजानन माधव मुक्तिबोध (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)<br>3. कामायनी का पुनर्मूल्यांकन-रामस्वरूप चतुर्वेदी (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)<br>4. प्रसाद-काव्य-डॉ.प्रेमशंकर<br>5. जयशंकर प्रसाद - नंददुलारे वाजपेयी<br>6. मैथिलीशरण-डॉ.प्रभाकर माचवे(राजपाल एण्ड सन्ज़, दिल्ली)<br>7. मैथिलीशरण गुप्त व्यक्ति और अभिव्यक्ति- संपा.डॉ.सी.एल.प्रभात<br>8. कामायनी में काव्य, संस्कृति और दर्शन-डॉ.द्वारिका प्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा<br>9. कामायनी की आलोचना-प्रक्रिया-डॉ.गिरिजा राय (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)<br>10. आज का हिंदी उपन्यास-डॉ.इंद्रनाथ मदान (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)<br>11. हिंदी उपन्यास-एक अंतर्यात्रा-डॉ.रामदरश मिश्र (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)<br>12. हिंदी उपन्यास-डॉ.सुषमा धवन (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)<br>13. हिंदी उपन्यास की प्रवृतियाँ-डॉ.शशिभूषण सिहल (विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)<br>14. हिंदी उपन्यासः उपलब्धियाँ-डॉ.लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय (राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)<br>15. आधुनिकता और हिंदी उपन्यास-डॉ.इन्द्रनाथ मदान (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)<br>16. हिंदी उपन्यास का इतिहास-गोपाल राय (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)<br>17. गोदान-नया परिपेक्ष्य-गोपाल राय (अनुपम प्रकाशन, पटना-4)<br>18.प्रेमचंद की विरासत और गोदानराजकमल प्रकाशन) शिवकुमार मिश्र-, दिल्ली( |
| **Teaching Methodology** | व्याख्यान पद्धति, ब्लैक-बोर्ड पद्धति ,सामूहिक-चर्चा ,प्रश्नोत्तरी,पीपीटी द्वारा ,श्रव्य-दृश्य माध्यम ,कहानी-कथोपकथन द्वारा, असाइमेंट द्वारा |
| **Evaluation Method** | Internal Assessment: _50_ Marks<br>External Assessment: __50_____ Marks |

**Subject code [2601001207020302]**

**VEER NARMAD SOUTH GUJARAT UNIVERSITY, SURAT**

**SYLLABUS**

| | |
|---|---|
| **Program Name** | B.A. (Honours With OJT) |
| **Semester** | सेमेस्टर-7 |
| **NCrF Credit Level** | 6 |
| **Course Type** | **Major** |
| **Course Subtype** | **Nil** |
| **Subject Type** | **Discipline Specific** |
| **Course Code** | Hindi MJ-18 |
| **Course Level** | 400 |
| **Course Title** | आलोचना / सिद्धांत और शास्त्र |
| **Credit** | **Theory:** 4, **Practical:** 0, **Total:** 4 |
| **Effective From** | **Academic Year:** 2026-27 से |
| **Course Outcomes** | **CO1 -** छात्र प्राचीन से आधुनिक तक के प्रमुख साहित्यिक सिद्धांतों और चिंतकों की विचारधाराओं को समझ सकेंगे।<br>**CO2** विभिन्न साहित्यिक आंदोलनों और विचारधाराओं (जैसे यथार्थवाद, अस्तित्ववाद, स्वच्छंदतावाद आदि) का तुलनात्मक विश्लेषण कर सकेंगे।<br>**CO3 -** आधुनिक और उत्तर-आधुनिक सिद्धांतों (जैसे संरचनावाद, विखंडनवाद) की अवधारणाओं को पहचान कर साहित्यिक पाठों पर लागू कर सकेंगे।<br>**CO4 -** साहित्यिक आलोचना की विधियों में गहराई से सोचने, तर्क करने और विश्लेषण करने की क्षमता विकसित होगी। |
| **Mapping between Cos and PSOs** | (see table below) |
| **Course Content** | **Unit - 1** प्लेटो, अरस्तू, लोंजाइनस,ड्राइडेन और वर्डस्वर्थ के सिद्धांत का परिचय<br>**Unit – 2** टी.एस.इलियट,आई.ए.रिचर्ड, एफ.आर.लीविस, ज्योर्ज लुकाच, अंतोनियो ग्राम्शी,रेमंड,विलियम्स,मिखाइल बाख्ति के सिद्धांत।<br>**Unit – 3** शास्त्रवाद-स्वच्छंदतावाद, अभिव्यंजनावाद, यथार्थवाद,अस्तित्ववाद<br>**Unit – 4** संरचनावाद,विखंडनवाद, उत्तर आधुनिकतावाद का परिचय व विशेषताएँ। |
| **Reference Books** | १. रस-सिद्धांत-डॉ.नगेन्द्र (नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली)<br>२. रस-सिद्धांत की दार्शनिक और नैतिक व्याख्या-डॉ.तारकनाथ बाली (विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)<br>३. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका-डॉ.नगेन्द्र<br>४. अभिनव का रस विवेचन-नगीनदास पारेख<br>५. समीक्षा लोक-भगीरथ दीक्षित |

| | PSO1 | PSO2 | PSO3 | PSO4 |
|---|---|---|---|---|
| CO1 | √ | | | |
| CO2 | | √ | | |
| CO3 | | | √ | |
| CO4 | | | | √ |

| | |
|---|---|
| | ६. भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा-डॉ.नगेन्द्र<br>७. भारतीय काव्यशास्त्र – डॉ. अशोक के. शाह अमर प्रकाशन, मथुरा<br>८. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत – डॉ. अशोक के. शाह, तथा डॉ.मधु वसावा जवाहर प्रकाशन, मथुरा<br>९. साहित्य काव्य-विमर्श-डॉ.राममूर्ति त्रिपाठी (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)<br>१०.पाश्चात्य काव्य-शास्त्र की परंपरा-डॉ. नगेन्द्र<br>११.पाश्चात्य काव्यशास्त्र-डॉ.भगीरथ मिश्र<br>१२.पाश्चात्य साहित्य-चिंतन-संपा.निर्मला जैन,कुसुम बाँठिया (राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)<br>१३.पाश्चात्य काव्यशास्त्र– डॉ. अशोक के. शाह अमर प्रकाशन, मथुरा<br>१४.पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत – डॉ. अशोक के. शाह, तथा डॉ.मधु वसावा जवाहर प्रकाशन, मथुरा<br>१५.कार्ल मार्क्स-कला और साहित्य-चितन-संपा.डॉ.नामवर सिंह<br>१६.उत्तर आधुनिकता और उत्तर संरचनावाद-सुधीश पचौरी (हिमाचल प्रकाशन भंडार,दिल्ली)<br>१७.उत्तर आधुनिकता-कुछ विचार-संपा.देव शंकर नवीन तथा मिश्र (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)<br>१८. उत्तर आधुनिकःसाहित्यिक विमर्श-सुधीश पचौरी |
| **Teaching Methodology** | व्याख्यान पद्धति, ब्लैक-बोर्ड पद्धति ,सामूहिक-चर्चा ,प्रश्नोत्तरी,पीपीटी द्वारा ,श्रव्य-दृश्य माध्यम ,कहानी-कथोपकथन द्वारा, असाइमेंट द्वारा |
| **Evaluation Method** | Internal Assessment: _50_ Marks<br>External Assessment: __50_____ Marks |

Subject Code [2601001207030303]

**VEER NARMAD SOUTH GUJARAT UNIVERSITY, SURAT**

**SYLLABUS**

| | |
|---|---|
| **Program Name** | B.A. (Honours With OJT) |
| **Semester** | सेमेस्टर-7 |
| **NCrF Credit Level** | 6 |
| **Course Type** | **Major** |
| **Course Subtype** | **Nil** |
| **Subject Type** | **Discipline Specific** |
| **Course Code** | Hindi MJ-19 |
| **Course Level** | 400 |
| **Course Title** | प्रयोजनमूलक हिंदी |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| **Credit** | **Theory:** | **4** | **Practical:** | **0** | **Total:** | **4** |

| | |
|---|---|
| **Effective From** | **Academic Year:** 2026-27 से |
| **Course Outcomes** | **CO1 -** हिंदी कंप्यूटिंग और डिजिटल उपकरणों के व्यावहारिक उपयोग में दक्षता — छात्र कंप्यूटर, वेब पब्लिशिंग, ई-मेल, ब्राउज़िंग, डाउनलोडिंग-अपलोडिंग और हिंदी सॉफ्टवेयर जैसे तकनीकी विषयों का प्रयोग करना सीखेंगे।<br>**CO2** समाचार लेखन की व्यावसायिक समझ और लेखन कौशल में निपुणता — छात्र समाचार की संरचना, लीड, शीर्षक, रिपोर्टिंग के प्रकार एवं संवाददाता की भूमिका को समझते हुए समाचार लेखन में पारंगत बनेंगे।<br>**CO3 -** न्यू मीडिया और सोशल मीडिया के स्वरूप एवं प्रभाव का विश्लेषण करने की क्षमता — छात्र न्यू मीडिया और सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म्स (जैसे ट्विटर, फेसबुक आदि) की कार्यप्रणाली, भाषा और सामाजिक-राजनीतिक प्रभावों को समझ सकेंगे।<br>**CO4 -** अनुवाद कौशल में प्रवीणता तथा कार्यालयी अनुवाद का व्यवहारिक अभ्यास — छात्र अनुवाद की प्रक्रिया, प्रविधि और कार्यालयी/प्रशासनिक शब्दावली का प्रयोग करते हुए गुजराती या अंग्रेज़ी से हिंदी में सटीक अनुवाद करने में सक्षम होंगे। |

**Mapping between Cos and PSOs**

| | PSO1 | PSO2 | PSO3 | PSO4 |
|---|---|---|---|---|
| CO1 | √ | | | |
| CO2 | | √ | | |
| CO3 | | | √ | |
| CO4 | | | | √ |

| | |
|---|---|
| **Course Content** | **Unit - 1.** हिंदी कंप्यूटिंग:<br>कम्प्यूटर- परिचय, रूपरेखा, उपयोग तथा क्षेत्र। वेब पब्लिशिंग का परिचय।<br>इंटरनेट संपर्क उपकरणों का परिचय, प्रकार्यात्मक, रख-रखाव एवम् इंटरनेट<br>समय मितव्ययिता के सूत्र, इंटरनेट एक्सप्लोइट अथवा नेटस्केप , लिंक, ब्राउजिंग,ई-मेल भेजना-प्राप्त करना, हिंदी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, डाउनलोडिंग-अपलोडिंग,हिंदी सॉफ्टवेयर पैकेज। |

| | |
|---|---|
| | **Unit -2.** समाचार-लेखन : समाचार-अवधारणा,परिभाषा, बुनियादी तत्व, संरचना (घटक), समाचार का मूल्य।<br>संवाददाता की भूमिका, महत्त्व,श्रेणी, कार्य एवम् व्यवहार-संहिता,रिपोर्टिंग के क्षेत्र और प्रकार, लीड- अर्थ,प्रकार, विशेषता,महत्त्व। शीर्षक- अर्थ,प्रकार,लिखने की कला, महत्त्व।<br>**Unit -3.** न्यू एवम् सोशल मीडिया : न्यू मीडियाः अभिप्राय एवम् विविध रूप।<br>सोशल मीडियाः माध्यम का स्वरूप-एक अपरंपरागत मीडिया<br>सोशल मीडिया के प्रकार-ट्विटर, व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम सोशल मीडिया का प्रभाव-सामाजिक, राजनीतिक,सांस्कृतिक, शैक्षिक। सोशल मीडिया की भाषा।<br>**Unit -4.** अनुवाद - सिद्धांत एवम् व्यवहार: अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवम् प्रविधि।<br>हिंदी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका। कार्यालयी हिंदी और अनुवाद।<br>व्यावहारिक -अनुवाद-गुजराती या अंग्रेजी से हिंदी में।<br>कार्यालयी अनुवाद- कार्यालयी एवम् प्रशासनिक शब्दावली, प्रशासनिक प्रयुक्तियाँ,पदनाम, विभाग,पदनामों, अनुभागों, दस्तावेजों, प्रतिवेदनों के अनुवाद, सारानुवाद। |
| **Reference Books** | १. प्रयोजनमूलक हिंदी- कमल कुमार बोस (क्लासिकल पब्लिशिंग कम्पनी, दिल्ली)<br>२. हिंदी पत्रकारिता-कृष्ण बिहारी मिश्र (भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली)<br>३. प्रयोजनमूलक हिंदी और पत्रकारिता-डॉ.दिनेश प्रसाद सिंह (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)<br>४. राजभाषा प्रशासनिक शब्दकोश-डॉ.एस.त्यागी (भारत भारती, दिल्ली)<br>५. प्रारूपण, टिप्पण और प्रूफ पठन-डॉ.भोलानाथ तिवारी (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)<br>६. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग-विजयकुमार मल्होत्रा<br>७. संपादन कला एवम् प्रूफ पठन-डॉ.हरिमोहन<br>८. समाचार फीचर लेखन एवम् संपादन कला--डॉ.हरिमोहन<br>९. पत्रकारिताःविविध विधाएँ-डॉ.राजकुमारी रानी (जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)<br>१०.रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता-डॉ.हरिमोहन<br>११.आधुनिक विज्ञापन और जन संपर्क-डॉ.तारेश भाटिया<br>१२.अनुवाद-बोध-डॉ.गार्गी गुप्त<br>१३.मीडिया और साहित्य-सुधीश पचौरी<br>१४.अनुवाद-विज्ञान-डॉ.भोलानाथ तिवारी<br>१५.मीडिया-लेखन-डॉ.चंद्रप्रकाश मिश्र (संजय प्रकाशन, दिल्ली)<br>१६.रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता-डॉ.हरिमोहन<br>१७.आधुनिक विज्ञापन और जन संपर्क-डॉ.तारेश भाटिया<br>१८.समाचार फीचर लेखन एवम् संपादन कला--डॉ.हरिमोहन<br>१९.संपादन कला एवम् प्रूफ पठन-डॉ.हरिमोहन<br>२०.सोशल नेटवर्किंगःकल और आज-राकेशकुमार (रीगी पब्लिकेशन) |
| **Teaching Methodology** | व्याख्यान पद्धति, ब्लैक-बोर्ड पद्धति ,सामूहिक-चर्चा ,प्रश्नोत्तरी,पीपीटी द्वारा ,श्रव्य-दृश्य माध्यम ,कहानी-कथोपकथन द्वारा, असाइमेंट द्वारा |
| **Evaluation Method** | Internal Assessment: _50_ Marks<br>External Assessment: __50_____ Marks |

**Subject Code [2601001207050001]**

**प्रशिक्षण-1 (OJT-1) Course (Credits 06) (Total Marks 150)**

**अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-**

प्रशिक्षण (Internship) **(Credits 06) एक क्रेडिट के लिए ३० घण्टे, 6x30=180 घण्टे) 150 अंक**

(1) प्रशिक्षण (Internship) कक्षा ५ से १२ सरकारी शाला,

(2) अर्ध सरकारी शाला,

(3) गुजरात बोर्ड से संलग्न स्कूल,

(4) सहकारी एवं सरकारी प्रेस,

(5) सरकार अधिकृत रेडियो स्टेशन,

(6) प्रिंट मिडिया एवं इलेक्ट्रोनिक मिडिया आदि का प्रमाणपत्र

(7) बेंक, सहकारी प्रेस, जीवन बीमा निगम

**(Credits 06) एक क्रेडिट के लिए ३० घण्टे, 6x30=180 घण्टे) 150 अंक**

**VEER NARMAD SOUTH GUJARAT UNIVERSITY, SURAT**

# B.A. HINDI Semester-8 (Honours With OJT)

| | |
|---|---|
| **Name of Program** | Bachelor of Arts |
| **Program Abbreviation** | B.A. |
| **Duration** | 04Years Degree |
| **Eligibility Criteria** | H.S.C. Passed 04 Years (Honours Degree) |
| **Pre-requisite** | साहित्यिक ज्ञान में रूची |
| **Medium of Instruction** | Hindi |
| **Objective of Program** | 1. छात्रों को हिंदी विषय की राष्ट्रभाषा के रूप में विशेष जानकारी प्राप्त होगी।<br>2. छात्र केंद्रीय भरती बोर्ड की सभी परीक्षाएँ हिंदी माध्यम में देनेके लिए सक्षम होंगे।<br>3. राष्ट्रभाषा हिंदी के रूप में विदेशों में भी प्रचार प्रसार बढेग़ा।<br>4. भारत देश में हिंदी भाषा पर्यटकों कों विचारों का आदान-प्रदान के रूप में एक सूत्र में बाँध सकेगी।<br>5. हिंदी भाषा कें माध्यमसे भारत देश में देश प्रेम की भावना बढेगी। |
| **Program Outcome (PO)** | भाषा-विज्ञान की मूल अवधारणाओं की समझ विकसित करना — छात्र भाषा की परिभाषा, उत्पत्ति, विविध रूपों तथा भाषा-विज्ञान के अन्य शास्त्रों से संबंध को गहराई से समझ सकेंगे।<br>PO2 : हिंदी साहित्येतिहास की लेखन परंपरा और सिद्धांतों की गहरी समझ विकसित करना — छात्र साहित्य और इतिहास के अंतर्संबंध, इतिहास लेखन की चुनौतियाँ तथा आदिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि व प्रवृत्तियों को विश्लेषित कर सकेंगे।<br>PO3 : छात्र कला और साहित्य के पारस्परिक संबंध को गहराई से समझ सकेंगे।<br>PO4: सायबर सुरक्षा को समझने में सक्षम होगे। |
| **Program Specific Outcomes (PSO)** | PSO1 : भाषा-विज्ञान और हिंदी भाषा<br>PSO2 : हिंदी साहित्य का इतिहास<br>PSO3 : कला और साहित्य<br>PSO4 : बुनियादी साइबर सुरक्षा |
| **Mapping between Pos and PSOs** | (see table below) |

| | PSO1 | PSO2 | PSO3 | PSO4 | PSO5 |
|---|---|---|---|---|---|
| CO1 | √ | | | | |
| CO2 | | √ | | | |
| CO3 | | | √ | | |
| CO4 | | | | √ | |
| | | | | | |

## Structure of Program (B.A. HINDI :Semester-8) (Honours With OJT)

| Course Code | Course Category | Course Title | Marksheet Title in English | Level of Course | Teaching Hours/Week | | Exam Duration | | Credit | | Internal Marks | | External Marks | | Total Makrs | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | TH | PR | TH | PR | TH | PR | TH | PR | TH | PR | TH | PR |
| Major | HINDI MJ-21 | भाषा-विज्ञान और हिंदी भाषा | Linguistics and Hindi Language | 400 | 4 | 0 | 2 | 0 | 4 | 0 | 50 | 0 | 50 | 0 | 100 | 0 |
| Major | HINDI MJ-22 | हिंदी साहित्य का इतिहास | History of Hindi Literature | 400 | 4 | 0 | 2 | 0 | 4 | 0 | 50 | 0 | 50 | 0 | 100 | 0 |
| Major | HINDI MJ-23 | कला और साहित्य | Art and literature | 400 | 4 | 0 | 2 | 0 | 4 | 0 | 50 | 0 | 50 | 0 | 100 | 0 |
| Minor | HINDI MN- 8 | उद्यमशीलता | Entrepreneurship | 400 | 4 | 0 | 2 | 0 | 4 | 0 | 50 | 0 | 50 | 0 | 100 | 0 |
| OJT | OJT | प्रशिक्षण-2 | OJT-2 | 400 | 0 | 6 | 0 | 0 | 00 | 06 | 0 | 75 | 0 | 75 | 0 | 150 |

Subject Code [2701001208010301]

<table>
<tr><td colspan="7">VEER NARMAD SOUTH GUJARAT UNIVERSITY, SURAT<br><br>SYLLABUS</td></tr>
<tr><td>Program Name</td><td colspan="6">Honours With OJT (B.A.)</td></tr>
<tr><td>Semester</td><td colspan="6">सेमेस्टर-8</td></tr>
<tr><td>NCrF Credit Level</td><td colspan="6">6</td></tr>
<tr><td>Course Type</td><td colspan="6">Major</td></tr>
<tr><td>Course Subtype</td><td colspan="6">Employability</td></tr>
<tr><td>Subject Type</td><td colspan="6">Discipline Specific</td></tr>
<tr><td>Course Code</td><td colspan="6">Hindi MJ-21</td></tr>
<tr><td>Course Level</td><td colspan="6">400</td></tr>
<tr><td>Course Title</td><td colspan="6">भाषा-विज्ञान और हिंदी भाषा</td></tr>
<tr><td>Credit</td><td>Theory:</td><td>4</td><td>Practical:</td><td>0</td><td>Total:</td><td>4</td></tr>
<tr><td>Effective From</td><td colspan="6">Academic Year: 2026-27 से</td></tr>
<tr><td>Course Outcomes</td><td colspan="6">CO1 - भाषा-विज्ञान की मूल अवधारणाओं की समझ विकसित करना — छात्र भाषा की परिभाषा, उत्पत्ति, विविध रूपों तथा भाषा-विज्ञान के अन्य शास्त्रों से संबंध को गहराई से समझ सकेंगे।<br>CO2 स्वन विज्ञान एवं स्वनिम विज्ञान का विश्लेषणात्मक ज्ञान अर्जित करना — छात्र वाग्वयवों, स्वनों के वर्गीकरण, स्वनगुणों और स्वनिमों की पहचान एवं विश्लेषण की क्षमता प्राप्त करेंगे।<br>CO3 - हिंदी की उपभाषाओं, बोलियों और देवनागरी लिपि की विशेषताओं को समझना — छात्र हिंदी के भौगोलिक विस्तार, प्रमुख बोलियों तथा लिपि के मानकीकरण की प्रक्रिया को पहचान सकेंगे।<br>CO4 -हिंदी भाषा के व्यावहारिक प्रयोग एवं तकनीकी विकास में दक्षता प्राप्त करना — छात्र हिंदी के भाषिक रूपों, संचार माध्यमों तथा कम्प्यूटरीकरण से जुड़े अनुप्रयोगों (जैसे मशीनी अनुवाद, वर्तनी शोधक आदि) की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।</td></tr>
<tr><td>Course Content</td><td colspan="6">Unit - 1 भाषा का अर्थ,परिभाषा तथा भाषा की उत्पत्ति विषयक विवध मत<br>भाषा के विविध रूप-बोली,विभाषा और भाषा में अंतर<br>भाषा-विज्ञान का अन्य शास्त्रों-साहित्य, व्याकरण, समाजशास्त्र, इतिहास एवम् मनोविज्ञान से संबंध,भाषा-विज्ञान की प्रमुख शाखाएँ,भाषा के वैयक्तिक, सामाजिक और सार्वभौमिक पक्ष।Unit – 2 स्वनप्रक्रिया - स्वन विज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ, वागवयव और उनके कार्य, स्वन की अवधारणा और स्वनों का वर्गीकरण, स्वनगुण,स्वनिक परिवर्तन,स्वनिम विज्ञान का स्वरूप, स्वनिम की अवधारणा, स्वनिम के भेद, स्वनिम विश्लेषण।<br>Unit – 3 हिंदी की उपभाषाएँ और देवनागरी लिपि :<br>हिंदी का भौगोलिक विस्तार-हिंदी की उपभाषाएँ, पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, राजस्थानी,बिहारी तथा पहाडी और उनकी बोलियाँ, खडीबोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएँ।</td></tr>
</table>

| | |
|---|---|
| | देवनागरी लिपि-विशेषताएँ और मानकीकरण।<br>**Unit – 4** हिंदी का भाषिक स्वरूप :<br>हिंदी ध्वनियों के वर्गीकरण का आधार।<br>हिंदी के स्वर तथा व्यंजन ध्वनियों का वर्गीकरण<br>हिंदी के विविध रूप-हिंदी, उर्दू, दक्खिनी, हिन्दुस्तानी।<br>हिंदी भाषा-प्रयोग के विविध रूप-बोली, मानक भाषा, संपर्क-भाषा, राष्ट्रभाषा,राजभाषा, यांत्रिक भाषा।संचार-भाषा के रूप में हिंदी की उपलब्धियाँ।<br>हिंदी कम्प्यूटीकरण :<br>कम्प्यूटर मेंहिंदी के विभिन्न प्रयोग-आंकडा-संसाधन और शब्द-संसाधन, वर्तनी-शोधक, मशीनी अनुवाद, हिंदी भाषा-शिक्षण। |
| **Mapping between Cos and PSOs** | <table><tr><td></td><td>PSO1</td><td>PSO2</td><td>PSO3</td><td>PSO4</td></tr><tr><td>CO1</td><td>√</td><td></td><td></td><td></td></tr><tr><td>CO2</td><td></td><td>√</td><td></td><td></td></tr><tr><td>CO3</td><td></td><td></td><td>√</td><td></td></tr><tr><td>CO4</td><td></td><td></td><td></td><td>√</td></tr></table> |
| **Reference Books** | १. भाषा-विज्ञान-डॉ.भोलानाथ तिवारी (किताब महल, इलाहाबाद)<br>२. भाषा-विज्ञान की भूमिका-देवेन्द्रनाथ शर्मा (राधाकृष्ण प्रकाशन)<br>३. भाषा-विज्ञान-श्यामसुंदर दास (अनु प्रकाशन, जयपुर)<br>४. सामान्य भाषा-विज्ञान-डॉ.बाबूराम सक्सेना (हिंदी साहित्य सम्मेलन,प्रयाग)<br>५. हिंदी भाषा और भाषा विज्ञान –डो.अशोक के शाह (अमर प्रकाशन, मथुरा)<br>६. भाषा-विज्ञान एवम् भाषा-शास्त्र-डॉ.कपिलदेव द्विवेदी (विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी)<br>७. भाषा-विज्ञान-सैद्धांतिक चितन- रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव<br>८. समसामयिक भाषा- विज्ञान-डॉ.कविता रस्तोगी (सुलभ प्रकाशन, लखनऊ)<br>९. भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा का स्वरूप विकास-डॉ.देवेन्द्रप्रसाद सिंह (जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)<br>१०.हिंदी भाषा और नागरी लिपि-डॉ.भोलानाथ तिवारी<br>११.भारतीय आर्यभाषा और हिंदी-सुनीतिकुमार चाटुर्ज्या (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)<br>१२.कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग-विजयकुमार मल्होत्रा<br>१३.हिंदी और उसकी उपभाषाओं का स्वरूप-अंबा प्रसाद सुमन<br>१४.राजभाषा हिंदी-डॉ.कैलाशचंद्र भाटिया (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)<br>१५.राजभाषा का स्वरूप-कैलाशचंद्र भाटिया (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)<br>१६.आर्य और द्रविड भाषा-परिवारों का संबंध-डॉ.रामविलास शर्मा (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)<br>१७.हिंदी और उसकी उपभाषाओं का स्वरूप-अंबा प्रसाद सुमन |
| **Teaching Methodology** | व्याख्यान पद्धति, ब्लैक-बोर्ड पद्धति ,सामूहिक-चर्चा ,प्रश्नोत्तरी,पीपीटी द्वारा ,श्रव्य-दृश्य माध्यम ,कहानी-कथोपकथन द्वारा, असाइमेंट द्वारा |
| **Evaluation Method** | Internal Assessment: _50_ Marks<br>External Assessment: __50_____ Marks |

Subject code [2701001208020302]

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| **VEER NARMAD SOUTH GUJARAT UNIVERSITY, SURAT**<br><br>**SYLLABUS** | | | | | |
| **Program Name** | Honours With OJT (B.A.) | | | | |
| **Semester** | सेमेस्टर-8 | | | | |
| **NCrF Credit Level** | 6 | | | | |
| **Course Type** | **Major** | | | | |
| **Course Subtype** | **Employability** | | | | |
| **Subject Type** | **Discipline Specific** | | | | |
| **Course Code** | Hindi MJ-22 | | | | |
| **Course Level** | 400 | | | | |
| **Course Title** | हिंदी साहित्य का इतिहास | | | | |
| **Credit** | **Theory:** | **4** | **Practical:** | **0** | **Total:** **4** |
| **Effective From** | **Academic Year:** 2026-27 से | | | | |
| **Course Outcomes** | **CO1 - हिंदी साहित्येतिहास की लेखन परंपरा और सिद्धांतों की गहरी समझ विकसित करना —** छात्र साहित्य और इतिहास के अंतर्संबंध, इतिहास लेखन की चुनौतियाँ तथा आदिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि व प्रवृत्तियों को विश्लेषित कर सकेंगे।<br>**CO2 भक्तिकाल और रीतिकाल की ऐतिहासिक-सांस्कृतिक चेतना को समझना —** छात्र भक्ति आंदोलन, निर्गुण-सगुण प्रवृत्तियाँ, सूफी काव्य परंपरा और रीतिकालीन दरबारी संस्कृति की विविध साहित्यिक धाराओं का मूल्यांकन कर सकेंगे।<br>**CO3 - हिंदी गद्य साहित्य की विधाओं के विकास का विवेचन करना —** छात्र उपन्यास, कहानी और नाटक के ऐतिहासिक क्रम, प्रमुख रचनाकारों और आंदोलनों (2000 तक) का अध्ययन करके गद्य-साहित्य की प्रवृत्तियों को पहचान सकेंगे।<br>**CO4 - समकालीन आलोचना और प्रवासी साहित्य की अवधारणाओं का विश्लेषण करना —** छात्र प्रमुख आलोचकों के विचारों और प्रवासी हिंदी साहित्य के स्वरूप, संदर्भ और साहित्यकारों की भूमिका को समझने में सक्षम होंगे। | | | | |
| **Course Content** | **Unit-1** इतिहास-दर्शन और साहित्येतिहास, हिंदी साहित्य के इतिहास की लेखन परंपरा,आधारभूत सामग्री और साहित्येतिहासके पुनर्लेखन की समस्याएँ।<br>हिंदी साहित्य-आदिकाल की पृष्ठभूमि, हिंदी साहित्य के आदिकाल का ऐतिहासिक परिदृश्य, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ।<br>**Unit – 2** भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक-चेतना एवम् भक्ति-आंदोलन प्रमुख निर्गुण संत कवि और उनका अवदान।भारत में सूफी मत का विकास तथा प्रमुख सूफी कवि और काव्य-ग्रंथ,सूफी काव्य में राम और कृष्ण-काव्य।<br>उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, काल-सीमा और नामकरण,दरबारी संस्कृति और लक्षण-ग्रंथों की परंपरा, रीति कालीन साहित्य की विभिन्न धाराएँ। | | | | |

<table>
<tr><td></td><td>Unit – 3 हिंदी गद्य का उद्भव और विकास, सन् १८५७ ई. की राज-क्रांति और पुनर्जागरण।<br>प्रेमचंद पूर्व उपन्यास, प्रेमचंद और उनका युग,प्रेमचंद के परवर्ती उपन्यासकार (वर्ष 2000 तक)<br>कहानी-20वीं सदी की हिंदी कहानी,प्रमुख कहानी आंदोलन एवम् प्रमुख कहानीकार।<br>नाटक-हिंदी नाटक का विकास- स्वातंत्र्योत्तर युग, साठोत्तरयुग एवम् नया नाटक (वर्ष 2000 तक)।<br>Unit – 4 आलोचना-समकालीन हिंदी आलोचना, प्रमुख आलोचक।<br>हिंदी का प्रवासी साहित्य-अवधारणा एवम् प्रमुख साहित्यकार।</td></tr>
<tr><td>Mapping between Cos and PSOs</td><td><table>
<tr><td></td><td>PSO1</td><td>PSO2</td><td>PSO3</td><td>PSO4</td></tr>
<tr><td>CO1</td><td>√</td><td></td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>CO2</td><td></td><td>√</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>CO3</td><td></td><td></td><td>√</td><td></td></tr>
<tr><td>CO4</td><td></td><td></td><td></td><td>√</td></tr>
</table></td></tr>
<tr><td>Reference Books</td><td>१. भाषा-विज्ञान-डॉ.भोलानाथ तिवारी (किताब महल, इलाहाबाद)<br>२. भाषा-विज्ञान की भूमिका-देवेन्द्रनाथ शर्मा (राधाकृष्ण प्रकाशन)<br>३. भाषा-विज्ञान-श्यामसुंदर दास (अनु प्रकाशन, जयपुर)<br>४. सामान्य भाषा-विज्ञान-डॉ.बाबूराम सक्सेना (हिंदी साहित्य सम्मेलन,प्रयाग)<br>५. हिंदी भाषा और भाषा विज्ञान –डो.अशोक के शाह (अमर प्रकाशन, मथुरा)<br>६. भाषा-विज्ञान एवम् भाषा-शास्त्र-डॉ.कपिलदेव द्विवेदी (विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी)<br>७. भाषा-विज्ञान-सैद्धांतिक चितन- रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव<br>८. समसामयिक भाषा- विज्ञान-डॉ.कविता रस्तोगी (सुलभ प्रकाशन, लखनऊ)<br>९. भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा का स्वरूप विकास-डॉ.देवेन्द्रप्रसाद सिंह (जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)<br>१०.हिंदी भाषा और नागरी लिपि-डॉ.भोलानाथ तिवारी<br>११.भारतीय आर्यभाषा और हिंदी-सुनीतिकुमार चाटुर्ज्या (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)<br>१२.कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग-विजयकुमार मल्होत्रा<br>१३.हिंदी और उसकी उपभाषाओं का स्वरूप-अंबा प्रसाद सुमन<br>१४.राजभाषा हिंदी-डॉ.कैलाशचंद्र भाटिया (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)<br>१५.राजभाषा का स्वरूप-कैलाशचंद्र भाटिया (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)<br>१६.आर्य और द्रविड भाषा-परिवारों का संबंध-डॉ.रामविलास शर्मा (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)<br>१७.हिंदी और उसकी उपभाषाओं का स्वरूप-अंबा प्रसाद सुमन</td></tr>
<tr><td>Teaching Methodology</td><td>व्याख्यान पद्धति, ब्लैक-बोर्ड पद्धति ,सामूहिक-चर्चा ,प्रश्नोत्तरी,पीपीटी द्वारा ,श्रव्य-दृश्य माध्यम ,कहानी-कथोपकथन द्वारा, असाइमेंट द्वारा</td></tr>
<tr><td>Evaluation Method</td><td>Internal Assessment: _50__ Marks<br>External Assessment: __50_____ Marks</td></tr>
</table>

**Subject Code [2701001208030303]**

| **VEER NARMAD SOUTH GUJARAT UNIVERSITY, SURAT SYLLABUS** | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| **Program Name** | Honours With OJT (B.A.) | | | | | |
| **Semester** | सेमेस्टर-8 | | | | | |
| **NCrF Credit Level** | 6 | | | | | |
| **Course Type** | **Major** | | | | | |
| **Course Subtype** | **Employability** | | | | | |
| **Subject Type** | **Discipline Specific** | | | | | |
| **Course Code** | Hindi MJ-23 | | | | | |
| **Course Level** | 400 | | | | | |
| **Course Title** | कला और साहित्य | | | | | |
| **Credit** | **Theory:** | **4** | **Practical:** | **0** | **Total:** | **4** |
| **Effective From** | **Academic Year:** 2026-27 से | | | | | |
| **Course Outcomes** | **CO1 -** छात्र कला और साहित्य के पारस्परिक संबंध को गहराई से समझ सकेंगे।<br>**CO2** -भारतीय कला के ऐतिहासिक और सौंदर्यशास्त्रीय पक्षों का विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।<br>**CO3** – लोक-कला और लोक-साहित्य की सांस्कृतिक भूमिका को पहचान सकेंगे।<br>**CO4 -** साहित्यिक कृतियों के कलात्मक मूल्यांकन में विद्यार्थियों की दृष्टि विकसित होगी। | | | | | |
| **Course Content** | Unit - 1. कला और साहित्य का अंतर संबंध, कला और समाज का अंतर संबंध कला में दीर्घजीविता के तत्व और उपकरण।<br>Unit -2. भारतीय कला का विकास भारतीय कला का सौदर्यशास्त्रीय महत्व कला और हिंदी साहित्य के संबंध की परंपरा।<br>Unit -3. लोक-कला और साहित्य<br>Unit -4. साहित्य के मूल्यांकन में कला का महत्व। भारतीय नाट्यकला का विकास भारतीय लोक-नाट्य। | | | | | |
| **Mapping between Cos and PSOs** | (see table below) | | | | | |
| **Reference Books** | १. भारतीय तथा पाश्चात्य रंगमंच-सीताराम चतुर्वेदी<br>२. भारतीय ज्ञान गंगा-कला और साहित्य कोश-संपा, अमरनाथ कपूर, विश्वप्रकाश गुप्ता<br>३. साहित्य और कला-भगवतशरण उपाध्याय (आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली)<br>४. साहित्य और कला-मार्क्स-एंगेल्स<br>५. भारतीय संस्कृति और हिंदी प्रदेश-डॉ. रामविलास शर्मा (किताबघर, दिल्ली)<br>६. लोक और शास्वा अन्वय और समन्वय-दयानिधि मिश्र | | | | | |
| **Teaching Methodology** | व्याख्यान पद्धति, ब्लैक-बोर्ड पद्धति ,सामूहिक-चर्चा ,प्रश्नोत्तरी,पीपीटी द्वारा ,श्रव्य-दृश्य माध्यम ,कहानी-कथोपकथन द्वारा, असाइमेंट द्वारा | | | | | |
| **Evaluation Method** | Internal Assessment: _50_ Marks<br>External Assessment: __50_____ Marks | | | | | |

Mapping between Cos and PSOs:

| | PSO1 | PSO2 | PSO3 | PSO4 |
|---|---|---|---|---|
| CO1 | √ | | | |
| CO2 | | √ | | |
| CO3 | | | √ | |
| CO4 | | | | √ |

**Subject Code [2701001208050001]**

**प्रशिक्षण-2** (OJT) **Course (Credits 06) (Total Marks 150)**

**अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-**

प्रशिक्षण (Internship) **(Credits 06) एक क्रेडिट के लिए ३० घण्टे, 6x30=180 घण्टे) 150 अंक**

(1) प्रशिक्षण (Internship) कक्षा ५ से १२ सरकारी शाला,
(2) अर्ध सरकारी शाला,
(3) गुजरात बोर्ड से संलग्न स्कूल,
(4) सहकारी एवं सरकारी प्रेस,
(5) सरकार अधिकृत रेडियो स्टेशन,
(6) प्रिंट मिडिया एवं इलेक्ट्रोनिक मिडिया आदि का प्रमाणपत्र
(7) बेंक, सहकारी प्रेस, जीवन बीमा निगम

**(Credits 06) एक क्रेडिट के लिए ३० घण्टे, 6x30=180 घण्टे) 150 अंक**

**VEER NARMAD SOUTH GUJARAT UNIVERSITY, SURAT**

# B.A. HINDI Semester-7 (Honours Without OJT)

| | |
|---|---|
| **Name of Program** | Bachelor of Arts |
| **Program Abbreviation** | B.A. |
| **Duration** | 04 Years Degree |
| **Eligibility Criteria** | H.S.C. Passed 04 Years (Honours Degree) |
| **Pre-requisite** | साहित्यिक ज्ञान में रूची |
| **Medium of Instruction** | Hindi |
| **Objective of Program** | 1. छात्रों को हिंदी विषय की राष्ट्रभाषा के रूप में विशेष जानकारी प्राप्त होगी।<br>2. छात्र केंद्रीय भरती बोर्ड की सभी परीक्षाएँ हिंदी माध्यम में देनेके लिए सक्षम होंगे।<br>3. राष्ट्रभाषा हिंदी के रूप में विदेशों में भी प्रचार प्रसार बढेग़ा।<br>4. भारत देश में हिंदी भाषा पर्यटकों कों विचारों का आदान-प्रदान के रूप में एक सूत्र में बाँध सकेगी।<br>5. हिंदी भाषा कें माध्यमसे भारत देश में देश प्रेम की भावना बढेगी। |
| **Program Outcome (PO)** | PO1 : छात्र 'कामायनी' के माध्यम से जयशंकर प्रसाद की काव्य-यात्रा, छायावाद की विशेषताएँ, रूपक एवं महाकाव्य तत्वों को पहचानने और 'गोदान' उपन्यास के अध्ययन से छात्र प्रेमचंद की उपन्यास-कला, यथार्थवाद, किसान जीवन की समस्याओं तथा सामाजिक संरचना की समझ विकसित कर सकेंगे। एवं उनमें अभिव्यक्त दार्शनिकता का विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।<br>PO2 : छात्र प्राचीन से आधुनिक तक के प्रमुख साहित्यिक सिद्धांतों और चिंतकों की विचारधाराओं को समझ सकेंगे।<br>PO3 : हिंदी कंप्यूटिंग और डिजिटल उपकरणों के व्यावहारिक उपयोग में दक्षता — छात्र कंप्यूटर, वेब पब्लिशिंग, ई-मेल, ब्राउज़िंग, डाउनलोडिंग-अपलोडिंग और हिंदी सॉफ्टवेयर जैसे तकनीकी विषयों का प्रयोग करना सीखेंगे।<br>PO4 : कवि अब्दुल रहमान का परिचय , 'सन्देश रासक' तथा 'ढोला मारू रा दूहा': एक श्रेष्ठ मुक्त काव्य में आदिकाल की एक प्रमुख रचना का — छात्र इन काव्यग्रंथों के माध्यम से भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों, युगीन आदर्शों तथा भक्ति एवं प्रेम की भावनाओं को समझने में सक्षम होंगे।<br>PO5 : सायबर सुरक्षा को समझने में सक्षम होंगे। |
| **Program Specific Outcomes (PSO)** | PSO1 : कामायनी-जयशंकर प्रसाद एवं गोदान-प्रेमचंद<br>PSO2 : आलोचना / सिद्धांत और शास्त्र<br>PSO3 : प्रयोजनमूलक हिंदी<br>PSO4 : विशिष्ट युग प्रवृति अध्ययन : आदिकाल<br>PSO5 : बुनियादी साइबर सुरक्षा |
| **Mapping between Pos and PSOs** | (see table below) |

| | PSO1 | PSO2 | PSO3 | PSO4 | PSO5 | PSO6 |
|---|---|---|---|---|---|---|
| CO1 | √ | | | | | |
| CO2 | | √ | | | | |
| CO3 | | | √ | | | |
| CO4 | | | | √ | | |
| CO5 | | | | | √ | |

## Structure of Program (B.A. HINDI Semester-7) (Honours Without OJT)

| Course Code | Course Category | Course Title | Marksheet Title in English | Level of Course | Teaching Hours/Week | | Exam Duration | | Credit | | Internal Marks | | External Marks | | Total Makrs | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | TH | PR | TH | PR | TH | PR | TH | PR | TH | PR | TH | PR |
| Major | HINDI MJ-17 | आधुनिक हिंदी साहित्य | Aadhunik Hindi Sahitya | 400 | 4 | 0 | 2 | 0 | 4 | 0 | 50 | 0 | 50 | 0 | 100 | 0 |
| Major | HINDI MJ-18 | आलोचना/ सिद्धांत और शास्त्र | Alochana/ Siddhant Aur Shastra | 400 | 4 | 0 | 2 | 0 | 4 | 0 | 50 | 0 | 50 | 0 | 100 | 0 |
| Major | HINDI MJ-19 | प्रयोजनमूलक हिंदी | Prayojanmoolak Hindi | 400 | 4 | 0 | 2 | 0 | 4 | 0 | 50 | 0 | 50 | 0 | 100 | 0 |
| Major | HINDI MJ-20 | विशिष्ट युग प्रवृति अध्ययन : आदिकाल | Study of specific age trends: Ancient times | 400 | 4 | 0 | 2 | 0 | 4 | 0 | 50 | 0 | 50 | 0 | 100 | 0 |
| Minor | HINDI ME- 7 | साइबर सुरक्षा के मूल सिद्धांत | Fundamental of Cyber security | 400 | 4 | 0 | 2 | 0 | 4 | 0 | 50 | 0 | 50 | 0 | 100 | 0 |
| Major | Major | शोध पद्धति | Research Methodology | 400 | 2 | 0 | 1 | 0 | 2 | 0 | 25 | 0 | 25 | 0 | 50 | 0 |

**Subject Code [2601001207010301]**

**VEER NARMAD SOUTH GUJARAT UNIVERSITY, SURAT**

**SYLLABUS**

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| **Program Name** | B.A. (**Honours Without** OJT) | | | | | |
| **Semester** | सेमेस्टर-7 | | | | | |
| **NCrF Credit Level** | 6 | | | | | |
| **Course Type** | **Major** | | | | | |
| **Course Subtype** | **Nil** | | | | | |
| **Subject Type** | **Discipline Specific** | | | | | |
| **Course Code** | Hindi MJ-17 | | | | | |
| **Course Level** | 400 | | | | | |
| **Course Title** | आधुनिक हिंदी साहित्य | | | | | |
| **Credit** | **Theory:** | **4** | **Practical:** | **0** | **Total:** | **4** |
| **Effective From** | **Academic Year:** 2026-27 से | | | | | |
| **Course Outcomes** | **CO1 -**छात्र 'कामायनी' के माध्यम से जयशंकर प्रसाद की काव्य-यात्रा, छायावाद की विशेषताएँ, रूपक एवं महाकाव्य तत्वों को पहचानने और उनमें अभिव्यक्त दार्शनिकता का विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।<br>**CO3** 'गोदान' उपन्यास के अध्ययन से छात्र प्रेमचंद की उपन्यास-कला, यथार्थवाद, किसान जीवन की समस्याओं तथा सामाजिक संरचना की समझ विकसित कर सकेंगे।<br>**CO3 -**छात्र 'कामायनी' और 'गोदान' के प्रमुख एवं गौण पात्रों का तुलनात्मक और आलोचनात्मक विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।<br>**CO4 -**छात्र छायावादी और प्रेमचंदयुगीन हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियों को ऐतिहासिक, साहित्यिक और सामाजिक परिप्रेक्ष्य में समझने और अभिव्यक्त करने की क्षमता प्राप्त करेंगे। | | | | | |

**Mapping between Cos and PSOs**

| | PSO1 | PSO2 | PSO3 | PSO4 |
|---|---|---|---|---|
| CO1 | √ | | | |
| CO2 | | √ | | |
| CO3 | | | √ | |
| CO4 | | | | √ |

**Course Content**

**Unit - 1** कामायनी-जयशंकर प्रसाद

प्रसाद की काव्य-यात्रा के विभिन्न चरण,'कामायनी' में इतिहास और कल्पना, 'कामायनी' का महाकाव्यत्व, 'कामायनी' - एक रूपक काव्य, 'कामायनी' की पात्र-सृष्टि- मनु, श्रद्धा और इड़ा, 'कामायनी' में अभिव्यक्त दार्शनिकता, 'कामायनी' : भाव पक्ष और कला पक्ष।

**Unit – 2** गोदान-प्रेमचंद

प्रेमचंद का उपन्यास साहित्य, 'गोदान' : किसान जीवन की महागाथा, 'गोदान' : एक रोमांच रहित त्रासदी, 'गोदान' के प्रमुख पात्र, 'गोदान' का कथा- शिल्प।

**Unit – 3** छायावाद की विशेषताएँ,कामायनी के गौण पात्र, कामायनी का प्रारंभ और अंत।

**Unit – 4** प्रेमचंदयुगीन हिंदी उपन्यास, प्रेमचंद की उपन्यास-कला, गोदान के गौण पात्र।

| | |
|---|---|
| **Reference Books** | 1. कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ-डॉ.नगेन्द्र (नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली)<br>2. कामायनीः एक पुनर्विचार-गजानन माधव मुक्तिबोध (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)<br>3. कामायनी का पुनर्मूल्यांकन-रामस्वरूप चतुर्वेदी (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)<br>4. प्रसाद-काव्य-डॉ.प्रेमशंकर<br>5. जयशंकर प्रसाद - नंददुलारे वाजपेयी<br>6. मैथिलीशरण-डॉ.प्रभाकर माचवे(राजपाल एण्ड सन्ज़, दिल्ली)<br>7. मैथिलीशरण गुप्त व्यक्ति और अभिव्यक्ति- संपा.डॉ.सी.एल.प्रभात<br>8. कामायनी में काव्य, संस्कृति और दर्शन-डॉ.द्वारिका प्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा<br>9. कामायनी की आलोचना-प्रक्रिया-डॉ.गिरिजा राय (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)<br>10. आज का हिदी उपन्यास-डॉ.इंद्रनाथ मदान (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)<br>11. हिदी उपन्यास-एक अंतर्यात्रा-डॉ.रामदरश मिश्र (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)<br>12. हिदी उपन्यास-डॉ.सुषमा धवन (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)<br>13. हिदी उपन्यास की प्रवृतियाँ-डॉ.शशिभूषण सिहल (विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)<br>14. हिदी उपन्यासः उपलब्धियाँ-डॉ.लक्ष्मीसागर वाष्णेय (राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)<br>15. आधुनिकता और हिदी उपन्यास-डॉ.इन्द्रनाथ मदान (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)<br>16. हिंदी उपन्यास का इतिहास-गोपाल राय (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)<br>17. गोदान-नया परिपेक्ष्य-गोपाल राय (अनुपम प्रकाशन, पटना-4)<br>18.प्रेमचंद की विरासत और गोदानराजकमल प्रकाशन) शिवकुमार मिश्र-, दिल्ली( |
| **Teaching Methodology** | व्याख्यान पद्धति, ब्लैक-बोर्ड पद्धति ,सामूहिक-चर्चा ,प्रश्नोत्तरी,पीपीटी द्वारा ,श्रव्य-दृश्य माध्यम ,कहानी-कथोपकथन द्वारा, असाइमेंट द्वारा |
| **Evaluation Method** | Internal Assessment: _50_ Marks<br>External Assessment: __50_____ Marks |

Subject Code [2601001207020302]

| VEER NARMAD SOUTH GUJARAT UNIVERSITY, SURAT<br>SYLLABUS | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| **Program Name** | B.A. (**Honours Without** OJT) | | | | | |
| **Semester** | सेमेस्टर-7 | | | | | |
| **NCrF Credit Level** | 6 | | | | | |
| **Course Type** | **Major** | | | | | |
| **Course Subtype** | **Nil** | | | | | |
| **Subject Type** | **Discipline Specific** | | | | | |
| **Course Code** | Hindi MJ-18 | | | | | |
| **Course Level** | 400 | | | | | |
| **Course Title** | आलोचना / सिद्धांत और शास्त्र | | | | | |
| **Credit** | **Theory:** | **4** | **Practical:** | **0** | **Total:** | **4** |
| **Effective From** | **Academic Year:** 2026-27 से | | | | | |
| **Course Outcomes** | **CO1 -** छात्र प्राचीन से आधुनिक तक के प्रमुख साहित्यिक सिद्धांतों और चिंतकों की विचारधाराओं को समझ सकेंगे।<br>**CO2** विभिन्न साहित्यिक आंदोलनों और विचारधाराओं (जैसे यथार्थवाद, अस्तित्ववाद, स्वच्छंदतावाद आदि) का तुलनात्मक विश्लेषण कर सकेंगे।<br>**CO3 -** आधुनिक और उत्तर-आधुनिक सिद्धांतों (जैसे संरचनावाद, विखंडनवाद) की अवधारणाओं को पहचान कर साहित्यिक पाठों पर लागू कर सकेंगे।<br>**CO4 -** साहित्यिक आलोचना की विधियों में गहराई से सोचने, तर्क करने और विश्लेषण करने की क्षमता विकसित होगी। | | | | | |
| **Mapping between Cos and PSOs** | see table below | | | | | |
| **Course Content** | **Unit - 1** प्लेटो, अरस्तू, लोंजाइनस,ड्राइडेन और वर्डस्वर्थ के सिद्धांत का परिचय<br>**Unit – 2** टी.एस.इलियट,आई.ए.रिचर्चड, एफ.आर.लीविस, ज्योर्ज लुकाच, अंतोनियो ग्राम्शी,रेमंड,विलियम्स,मिखाइल बाख्ति के सिद्धांत।<br>**Unit – 3** शास्त्रवाद-स्वच्छंदतावाद, अभिव्यंजनावाद, यथार्थवाद,अस्तित्ववाद<br>**Unit – 4** संरचनावाद,विखंडनवाद, उत्तर आधुनिकतावाद का परिचय व विशेषताएँ। | | | | | |
| **Reference Books** | १. रस-सिद्धांत-डॉ.नगेन्द्र (नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली)<br>२. रस-सिद्धांत की दार्शनिक और नैतिक व्याख्या-डॉ.तारकनाथ बाली (विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)<br>३. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका-डॉ.नगेन्द्र<br>४. अभिनव का रस विवेचन-नगीनदास पारेख<br>५. समीक्षा लोक-भगीरथ दीक्षित | | | | | |

Mapping between Cos and PSOs:

| | PSO1 | PSO2 | PSO3 | PSO4 |
|---|---|---|---|---|
| CO1 | √ | | | |
| CO2 | | √ | | |
| CO3 | | | √ | |
| CO4 | | | | √ |

| | |
|---|---|
| | ६. भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा-डॉ.नगेन्द्र<br>७. भारतीय काव्यशास्त्र – डॉ. अशोक के. शाह अमर प्रकाशन, मथुरा<br>८. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत – डॉ. अशोक के. शाह, तथा डॉ.मधु वसावा जवाहर प्रकाशन, मथुरा<br>९. साहित्य काव्य-विमर्श-डॉ.राममूर्ति त्रिपाठी (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)<br>१०.पाश्चात्य काव्य-शास्त्र की परंपरा-डॉ. नगेन्द्र<br>११.पाश्चात्य काव्यशास्त्र-डॉ.भगीरथ मिश्र<br>१२.पाश्चात्य साहित्य-चिंतन-संपा.निर्मला जैन,कुसुम बाँठिया (राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)<br>१३.पाश्चात्य काव्यशास्त्र– डॉ. अशोक के. शाह अमर प्रकाशन, मथुरा<br>१४.पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत – डॉ. अशोक के. शाह, तथा डॉ.मधु वसावा जवाहर प्रकाशन, मथुरा<br>१५.कार्ल मार्क्स-कला और साहित्य-चितन-संपा.डॉ.नामवर सिंह<br>१६.उत्तर आधुनिकता और उत्तर संरचनावाद-सुधीश पचौरी (हिमाचल प्रकाशन भंडार,दिल्ली)<br>१७.उत्तर आधुनिकता-कुछ विचार-संपा.देव शंकर नवीन तथा मिश्र (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)<br>१८. उत्तर आधुनिकःसाहित्यिक विमर्श-सुधीश पचौरी |
| **Teaching Methodology** | व्याख्यान पद्धति, ब्लैक-बोर्ड पद्धति ,सामूहिक-चर्चा ,प्रश्नोत्तरी,पीपीटी द्वारा ,श्रव्य-दृश्य माध्यम ,कहानी-कथोपकथन द्वारा, असाइमेंट द्वारा |
| **Evaluation Method** | Internal Assessment: _50__ Marks<br>External Assessment: __50_____ Marks |

Subject Code [2601001207030303]

| VEER NARMAD SOUTH GUJARAT UNIVERSITY, SURAT<br>SYLLABUS | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| **Program Name** | B.A. (**Honours Without** OJT) | | | | | |
| **Semester** | सेमेस्टर-7 | | | | | |
| **NCrF Credit Level** | 6 | | | | | |
| **Course Type** | **Major** | | | | | |
| **Course Subtype** | **Nil** | | | | | |
| **Subject Type** | **Discipline Specific** | | | | | |
| **Course Code** | Hindi MJ-19 | | | | | |
| **Course Level** | 400 | | | | | |
| **Course Title** | प्रयोजनमूलक हिंदी | | | | | |
| **Credit** | **Theory:** | **4** | **Practical:** | **0** | **Total:** | **4** |
| **Effective From** | **Academic Year:** 2026-27 से | | | | | |
| **Course Outcomes** | **CO1 -** हिंदी कंप्यूटिंग और डिजिटल उपकरणों के व्यावहारिक उपयोग में दक्षता — छात्र कंप्यूटर, वेब पब्लिशिंग, ई-मेल, ब्राउज़िंग, डाउनलोडिंग-अपलोडिंग और हिंदी सॉफ्टवेयर जैसे तकनीकी विषयों का प्रयोग करना सीखेंगे।<br>**CO2** समाचार लेखन की व्यावसायिक समझ और लेखन कौशल में निपुणता — छात्र समाचार की संरचना, लीड, शीर्षक, रिपोर्टिंग के प्रकार एवं संवाददाता की भूमिका को समझते हुए समाचार लेखन में पारंगत बनेंगे।<br>**CO3 -** न्यू मीडिया और सोशल मीडिया के स्वरूप एवं प्रभाव का विश्लेषण करने की क्षमता — छात्र न्यू मीडिया और सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म्स (जैसे ट्विटर, फेसबुक आदि) की कार्यप्रणाली, भाषा और सामाजिक-राजनीतिक प्रभावों को समझ सकेंगे।<br>**CO4 -** अनुवाद कौशल में प्रवीणता तथा कार्यालयी अनुवाद का व्यवहारिक अभ्यास — छात्र अनुवाद की प्रक्रिया, प्रविधि और कार्यालयी/प्रशासनिक शब्दावली का प्रयोग करते हुए गुजराती या अंग्रेज़ी से हिंदी में सटीक अनुवाद करने में सक्षम होंगे। | | | | | |
| **Mapping between Cos and PSOs** | (see table below) | | | | | |
| **Course Content** | **Unit - 1.** हिंदी कंप्यूटिंग:<br>कम्प्यूटर- परिचय, रूपरेखा, उपयोग तथा क्षेत्र। वेब पब्लिशिंग का परिचय।<br>इंटरनेट संपर्क उपकरणों का परिचय, प्रकार्यात्मक, रख-रखाव एवम् इंटरनेट<br>समय मितव्ययिता के सूत्र, इंटरनेट एक्सप्लोइट अथवा नेटस्केप , लिंक, ब्राउजिंग,ई-मेल भेजना-प्राप्त करना, हिंदी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, डाउनलोडिंग-अपलोडिंग,हिंदी सॉफ्टवेयर पैकेज। | | | | | |

| | PSO1 | PSO2 | PSO3 | PSO4 |
|---|---|---|---|---|
| CO1 | √ | | | |
| CO2 | | √ | | |
| CO3 | | | √ | |
| CO4 | | | | √ |

| | |
|---|---|
| | **Unit -2.** समाचार-लेखन : समाचार-अवधारणा,परिभाषा, बुनियादी तत्व, संरचना (घटक), समाचार का मूल्य।<br>संवाददाता की भूमिका, महत्त्व,श्रेणी, कार्य एवम् व्यवहार-संहिता,रिपोर्टिंग के क्षेत्र और प्रकार, लीड- अर्थ,प्रकार, विशेषता,महत्त्व। शीर्षक- अर्थ,प्रकार,लिखने की कला, महत्त्व।<br>**Unit -3.** न्यू एवम् सोशल मीडिया : न्यू मीडियाः अभिप्राय एवम् विविध रूप।<br>सोशल मीडियाः माध्यम का स्वरूप-एक अपरंपरागत मीडिया<br>सोशल मीडिया के प्रकार-ट्विटर, व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम सोशल मीडिया का प्रभाव-सामाजिक, राजनीतिक,सांस्कृतिक, शैक्षिक। सोशल मीडिया की भाषा।<br>**Unit -4.** अनुवाद - सिद्धांत एवम् व्यवहार: अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवम् प्रविधि।<br>हिंदी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका। कार्यालयी हिंदी और अनुवाद।<br>व्यावहारिक -अनुवाद-गुजराती या अंग्रेजी से हिंदी में।<br>कार्यालयी अनुवाद- कार्यालयी एवम् प्रशासनिक शब्दावली, प्रशासनिक प्रयुक्तियाँ,पदनाम, विभाग,पदनामों, अनुभागों, दस्तावेजों, प्रतिवेदनों के अनुवाद, सारानुवाद। |
| **Reference Books** | १. प्रयोजनमूलक हिंदी- कमल कुमार बोस (क्लासिकल पब्लिशिंग कम्पनी, दिल्ली)<br>२. हिंदी पत्रकारिता-कृष्ण बिहारी मिश्र (भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली)<br>३. प्रयोजनमूलक हिंदी और पत्रकारिता-डॉ.दिनेश प्रसाद सिंह (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)<br>४. राजभाषा प्रशासनिक शब्दकोश-डॉ.एस.त्यागी (भारत भारती, दिल्ली)<br>५. प्रारूपण, टिप्पण और प्रूफ पठन-डॉ.भोलानाथ तिवारी (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)<br>६. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग-विजयकुमार मल्होत्रा<br>७. संपादन कला एवम् प्रूफ पठन-डॉ.हरिमोहन<br>८. समाचार फीचर लेखन एवम् संपादन कला--डॉ.हरिमोहन<br>९. पत्रकारिताःविविध विधाएँ-डॉ.राजकुमारी रानी (जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)<br>१०.रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता-डॉ.हरिमोहन<br>११.आधुनिक विज्ञापन और जन संपर्क-डॉ.तारेश भाटिया<br>१२.अनुवाद-बोध-डॉ.गार्गी गुप्त<br>१३.मीडिया और साहित्य-सुधीश पचौरी<br>१४.अनुवाद-विज्ञान-डॉ.भोलानाथ तिवारी<br>१५.मीडिया-लेखन-डॉ.चंद्रप्रकाश मिश्र (संजय प्रकाशन, दिल्ली)<br>१६.रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता-डॉ.हरिमोहन<br>१७.आधुनिक विज्ञापन और जन संपर्क-डॉ.तारेश भाटिया<br>१८.समाचार फीचर लेखन एवम् संपादन कला--डॉ.हरिमोहन<br>१९.संपादन कला एवम् प्रूफ पठन-डॉ.हरिमोहन<br>२०.सोशल नेटवर्किंगःकल और आज-राकेशकुमार (रीगी पब्लिकेशन) |
| **Teaching Methodology** | व्याख्यान पद्धति, ब्लैक-बोर्ड पद्धति ,सामूहिक-चर्चा ,प्रश्नोत्तरी,पीपीटी द्वारा ,श्रव्य-दृश्य माध्यम ,कहानी-कथोपकथन द्वारा, असाइमेंट द्वारा |
| **Evaluation Method** | Internal Assessment: _50_ Marks<br>External Assessment: __50_____ Marks |

**Subject Code [2601001207050305]**

| VEER NARMAD SOUTH GUJARAT UNIVERSITY, SURAT<br>SYLLABUS | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| **Program Name** | B.A. (**Honours Without** OJT) | | | | | |
| **Semester** | सेमेस्टर-7 | | | | | |
| **NCrF Credit Level** | 6 | | | | | |
| **Course Type** | **Major** | | | | | |
| **Course Subtype** | **Employability** | | | | | |
| **Subject Type** | **Discipline Specific** | | | | | |
| **Course Code** | Hindi MJ-20 | | | | | |
| **Course Level** | 400 | | | | | |
| **Course Title** | विशिष्ट युग प्रवृति अध्ययन : आदिकाल | | | | | |
| **Credit** | **Theory:** | **4** | **Practical:** | **0** | **Total:** | **4** |
| **Effective From** | **Academic Year:** 2026-27 से | | | | | |
| **Course Outcomes** | CO1 : कवि अब्दुल रहमान का परिचय , 'सन्देश रासक' : आदिकाल की एक प्रमुख रचना का — छात्र इन काव्यग्रंथों के माध्यम से भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों, युगीन आदर्शों तथा भक्ति एवं प्रेम की भावनाओं को समझने में सक्षम होंगे।<br>CO2 : 'ढोला मारू रा दूहा': एक श्रेष्ठ मुक्त काव्य, 'ढोला मारू रा दूहा' में श्रृंगार-चित्रण, आदि साहित्यिक विशेषताओं — छात्र 'ढोला मारू रा दूहा' के चरित्र-चित्रण, कथा-योजना तथा रचना- शिल्प का सम्यक् विश्लेषण कर सकेंगे।<br>CO3 : अपभ्रंशः अर्थ और स्वरूप, साहित्यिक भाषा के रूप में अपभ्रंश का विकास का — विद्यार्थी इन रचनाओं में प्रयुक्त काव्य सौंदर्य, प्रतीकात्मकता, भाषा-शैली और शिल्पगत विशेषताओं को पहचान सकेंगे।<br>CO4 : आदि काव्य की साहित्यिक प्रवृति-ऐतिहासिक, श्रृंगारिक एवम् लौकिक काव्य का — छात्र रचनाओं में निहित दृष्टिकोण और उसकी सामाजिक-सांस्कृतिक प्रासंगिकता को समझ सकेंगे। | | | | | |
| **Mapping between Cos and PSOs** | see table below | | | | | |
| **Course Content** | **Unit** 1 : . सन्देश रासक - अब्दुल रहमान :<br>कवि अब्दुल रहमान का परिचय , 'सन्देश रासक' : आदिकाल की एक प्रमुख रचना, 'सन्देश रासक' का कथानक, 'सन्देश रासक' : विरह-वर्णन, ॠतु-वर्णन,'सन्देश रासक' का भाव-पक्ष और कला-पक्ष \|<br>**Unit** 2 : ढोला मारू रा दूहा –कुशल लाभ<br>'ढोला मारू रा दूहा': एक श्रेष्ठ मुक्त काव्य, 'ढोला मारू रा दूहा' में | | | | | |

Mapping between Cos and PSOs:

| | PSO1 | PSO2 | PSO3 | PSO4 |
|---|---|---|---|---|
| CO1 | √ | | | |
| CO2 | | √ | | |
| CO3 | | | √ | |
| CO4 | | | | √ |

| | |
|---|---|
| | श्रृंगार-चित्रण,'ढोला मारू रा दूहा': सौंदर्य-चित्रण, ढोला और<br>मालवणी, 'ढोला मारू रा दूहा': काव्य-सौष्ठव, 'ढोला मारू रा दूहा'<br>में मारवणी का विरह- वर्णन ।<br>**Unit** 3 : अपभ्रंशः अर्थ और स्वरूप, साहित्यिक भाषा के रूप में अपभ्रंश का विकास,<br>अपभ्रंश काव्य-प्रबंधात्मक, मुक्तक, नीति, वीर और श्रृंगार काव्य-धाराएँ<br>अपभ्रंश और हिंदी काव्य का संबंध।<br>**Unit** 4 : आदि काव्य की साहित्यिक प्रवृति-ऐतिहासिक, श्रृंगारिक एवम् लौकिक काव्य।<br>आदि काव्य की शिल्प-गत विशेषताएँ-कथानक-शैलियाँ एवम् रूढियाँ,<br>गेयता, काव्य-रूप एवम् भाषा। |
| **Reference Books** | 1. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ. जयकिशन प्रसाद खंडेलवाल<br>2. हिंदी साहित्य का इतिहास – रामचंद्र शुक्ल<br>3. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास-डॉ.रामकुमार वर्मा (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)<br>4. हिंदी साहित्य का आदिकाल-डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी (वाणी प्रकाशन, इलाहाबाद)<br>5. हिंदी का गद्य-साहित्य-डॉ. रामचंद्र तिवारी<br>6. हिंदी गद्य का विकास-डॉ.प्रसाद<br>7. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास-डॉ.बच्चन सिंह |
| **Teaching Methodology** | व्याख्यान पद्धति, ब्लैक-बोर्ड पद्धति ,सामूहिक-चर्चा ,प्रश्नोत्तरी,पीपीटी द्वारा ,श्रव्य-दृश्य माध्यम ,कहानी-कथोपकथन द्वारा, असाइमेंट द्वारा |
| **Evaluation Method** | Internal Assessment: _50_ Marks<br>External Assessment: __50_____ Marks |

## VEER NARMAD SOUTH GUJARAT UNIVERSITY, SURAT

# B.A. HINDI Semester-8 (Honours Withaut OJT)

| | |
|---|---|
| **Name of Program** | Bachelor of Arts |
| **Program Abbreviation** | B.A. |
| **Duration** | 04 Years Degree |
| **Eligibility Criteria** | H.S.C. Passed 04 Years (Honours Degree) |
| **Pre-requisite** | साहित्यिक ज्ञान में रूची |
| **Medium of Instruction** | Hindi |
| **Objective of Program** | 1. छात्रों को हिंदी विषय की राष्ट्रभाषा के रूप में विशेष जानकारी प्राप्त होगी।<br>2. छात्र केंद्रीय भरती बोर्ड की सभी परीक्षाएँ हिंदी माध्यम में देनेके लिए सक्षम होंगे।<br>3. राष्ट्रभाषा हिंदी के रूप में विदेशों में भी प्रचार प्रसार बढेग़ा।<br>4. भारत देश में हिंदी भाषा पर्यटकों कों विचारों का आदान-प्रदान के रूप में एक सूत्र में बाँध सकेगी।<br>5. हिंदी भाषा कें माध्यमसे भारत देश में देश प्रेम की भावना बढेगी। |
| **Program Outcome (PO)** | भाषा-विज्ञान की मूल अवधारणाओं की समझ विकसित करना — छात्र भाषा की परिभाषा, उत्पत्ति, विविध रूपों तथा भाषा-विज्ञान के अन्य शास्त्रों से संबंध को गहराई से समझ सकेंगे।<br>PO2 : हिंदी साहित्येतिहास की लेखन परंपरा और सिद्धांतों की गहरी समझ विकसित करना — छात्र साहित्य और इतिहास के अंतर्संबंध, इतिहास लेखन की चुनौतियाँ तथा आदिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि व प्रवृत्तियों को विश्लेषित कर सकेंगे।<br>PO3 : छात्र कला और साहित्य के पारस्परिक संबंध को गहराई से समझ सकेंगे।<br>PO4 : 'अपने-अपने अजनबी' और 'कोहबर की शर्त' के कथ्य, पात्र, और शिल्प की समग्र समझ विकसित करना। छात्र इन दो कृतियों के मुख्य एवं गौण पात्रों के विश्लेषण के माध्यम से कथानक और साहित्यिक तकनीकों को समझ पाएंगे।<br>PO5: सायबर सुरक्षा को समझ पाएंगे। |
| **Program Specific Outcomes (PSO)** | PSO1 : भाषा-विज्ञान और हिंदी भाषा<br>PSO2 : हिंदी साहित्य का इतिहास<br>PSO3 : कला और साहित्य<br>PSO4 : हिंदी उपन्यास साहित्य (अपने-अपने अजनबी-अज्ञेय एवं कोहबर की शर्त-केशव प्रसाद मिश्र)<br>PSO5 : बुनियादी साइबर सुरक्षा |
| **Mapping between Pos and PSOs** | (see table below) |

| | PSO1 | PSO2 | PSO3 | PSO4 | PSO5 |
|---|---|---|---|---|---|
| CO1 | √ | | | | |
| CO2 | | √ | | | |
| CO3 | | | √ | | |
| CO4 | | | | √ | |
| CO5 | | | | | √ |

**Structure of Program (B.A. HINDI :Semester-8) (**Honours Withaut OJT**)**

| Course Code | Course Category | Course Title | Marksheet Title in English | Level of Course | Teaching Hours/Week | | Exam Duration | | Credit | | Internal Marks | | External Marks | | Total Makrs | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | TH | PR | TH | PR | TH | PR | TH | PR | TH | PR | TH | PR |
| Major | HINDI MJ-21 | भाषा-विज्ञान और हिंदी भाषा | Linguistics and Hindi Language | 400 | 4 | 0 | 2 | 0 | 4 | 0 | 50 | 0 | 50 | 0 | 100 | 0 |
| Major | HINDI MJ-22 | हिंदी साहित्य का इतिहास | History of Hindi Literature | 400 | 4 | 0 | 2 | 0 | 4 | 0 | 50 | 0 | 50 | 0 | 100 | 0 |
| Major | HINDI MJ-23 | कला और साहित्य | Art and literature | 400 | 4 | 0 | 2 | 0 | 4 | 0 | 50 | 0 | 50 | 0 | 100 | 0 |
| Major | HINDI MJ-24 | हिंदी उपन्यास साहित्य | Hindi novel literature | 400 | 4 | 0 | 2 | 0 | 4 | 0 | 50 | 0 | 50 | 0 | 100 | 0 |
| Minor | HINDI MN- 8 | उद्यमशीलता | Entrepreneurship | 400 | 4 | 0 | 2 | 0 | 4 | 0 | 50 | 0 | 50 | 0 | 100 | 0 |
| Major | Major -2 | शोध पद्धति | Research Methodology | 400 | 2 | 0 | 1 | 0 | 2 | 0 | 25 | 0 | 25 | 0 | 50 | 0 |

Subject Code [2701001208010301]

| VEER NARMAD SOUTH GUJARAT UNIVERSITY, SURAT<br>SYLLABUS | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| **Program Name** | Honours Without OJT (B.A.) | | | | | |
| **Semester** | सेमेस्टर-8 | | | | | |
| **NCrF Credit Level** | 6 | | | | | |
| **Course Type** | **Major** | | | | | |
| **Course Subtype** | **Employability** | | | | | |
| **Subject Type** | **Discipline Specific** | | | | | |
| **Course Code** | Hindi MJ-21 | | | | | |
| **Course Level** | 400 | | | | | |
| **Course Title** | भाषा-विज्ञान और हिंदी भाषा | | | | | |
| **Credit** | **Theory:** | **4** | **Practical:** | **0** | **Total:** | **4** |
| **Effective From** | **Academic Year:** 2026-27 से | | | | | |
| **Course Outcomes** | **CO1 - भाषा-विज्ञान की मूल अवधारणाओं की समझ विकसित करना** — छात्र भाषा की परिभाषा, उत्पत्ति, विविध रूपों तथा भाषा-विज्ञान के अन्य शास्त्रों से संबंध को गहराई से समझ सकेंगे।<br>**CO2 स्वन विज्ञान एवं स्वनिम विज्ञान का विश्लेषणात्मक ज्ञान अर्जित करना** — छात्र वाग्वयवों, स्वनों के वर्गीकरण, स्वनगुणों और स्वनिमों की पहचान एवं विश्लेषण की क्षमता प्राप्त करेंगे।<br>**CO3 - हिंदी की उपभाषाओं, बोलियों और देवनागरी लिपि की विशेषताओं को समझना** — छात्र हिंदी के भौगोलिक विस्तार, प्रमुख बोलियों तथा लिपि के मानकीकरण की प्रक्रिया को पहचान सकेंगे।<br>**CO4 -हिंदी भाषा के व्यावहारिक प्रयोग एवं तकनीकी विकास में दक्षता प्राप्त करना** — छात्र हिंदी के भाषिक रूपों, संचार माध्यमों तथा कम्प्यूटरीकरण से जुड़े अनुप्रयोगों (जैसे मशीनी अनुवाद, वर्तनी शोधक आदि) की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। | | | | | |
| **Course Content** | **Unit - 1** भाषा का अर्थ,परिभाषा तथा भाषा की उत्पत्ति विषयक विवध मत<br>भाषा के विविध रूप-बोली,विभाषा और भाषा में अंतर<br>भाषा-विज्ञान का अन्य शास्त्रों-साहित्य, व्याकरण, समाजशास्त्र, इतिहास एवम् मनोविज्ञान से संबंध,भाषा-विज्ञान की प्रमुख शाखाएँ,भाषा के वैयक्तिक, सामाजिक और सार्वभौमिक पक्ष।**Unit – 2** स्वनप्रक्रिया - स्वन विज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ, वागवयव और उनके कार्य, स्वन की अवधारणा और स्वनों का वर्गीकरण, स्वनगुण,स्वनिक परिवर्तन,स्वनिम विज्ञान का स्वरूप, स्वनिम की अवधारणा, स्वनिम के भेद, स्वनिम विश्लेषण।<br>**Unit – 3** हिंदी की उपभाषाएँ और देवनागरी लिपि :<br>हिंदी का भौगोलिक विस्तार-हिंदी की उपभाषाएँ, पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, राजस्थानी,बिहारी तथा पहाडी और उनकी बोलियाँ, खडीबोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएँ। | | | | | |

<table>
<tr><td></td><td>देवनागरी लिपि-विशेषताएँ और मानकीकरण।<br>Unit – 4 हिंदी का भाषिक स्वरूप :<br>हिंदी ध्वनियों के वर्गीकरण का आधार।<br>हिंदी के स्वर तथा व्यंजन ध्वनियों का वर्गीकरण<br>हिंदी के विविध रूप-हिंदी, उर्दू, दक्खिनी, हिन्दुस्तानी।<br>हिंदी भाषा-प्रयोग के विविध रूप-बोली, मानक भाषा, संपर्क-भाषा, राष्ट्रभाषा,राजभाषा, यांत्रिक भाषा।संचार-भाषा के रूप में हिंदी की उपलब्धियाँ।<br>हिंदी कम्प्यूटीकरण :<br>कम्प्यूटर मेंहिंदी के विभिन्न प्रयोग-आंकडा-संसाधन और शब्द-संसाधन, वर्तनी-शोधक, मशीनी अनुवाद, हिंदी भाषा-शिक्षण।</td></tr>
<tr><td>Mapping between Cos and PSOs</td><td>
<table>
<tr><th></th><th>PSO1</th><th>PSO2</th><th>PSO3</th><th>PSO4</th></tr>
<tr><td>CO1</td><td>√</td><td></td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>CO2</td><td></td><td>√</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>CO3</td><td></td><td></td><td>√</td><td></td></tr>
<tr><td>CO4</td><td></td><td></td><td></td><td>√</td></tr>
</table>
</td></tr>
<tr><td>Reference Books</td><td>१. भाषा-विज्ञान-डॉ.भोलानाथ तिवारी (किताब महल, इलाहाबाद)<br>२. भाषा-विज्ञान की भूमिका-देवेन्द्रनाथ शर्मा (राधाकृष्ण प्रकाशन)<br>३. भाषा-विज्ञान-श्यामसुंदर दास (अनु प्रकाशन, जयपुर)<br>४. सामान्य भाषा-विज्ञान-डॉ.बाबूराम सक्सेना (हिंदी साहित्य सम्मेलन,प्रयाग)<br>५. हिंदी भाषा और भाषा विज्ञान –डो.अशोक के शाह (अमर प्रकाशन, मथुरा)<br>६. भाषा-विज्ञान एवम् भाषा-शास्त्र-डॉ.कपिलदेव द्विवेदी (विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी)<br>७. भाषा-विज्ञान-सैद्धांतिक चितन- रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव<br>८. समसामयिक भाषा- विज्ञान-डॉ.कविता रस्तोगी (सुलभ प्रकाशन, लखनऊ)<br>९. भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा का स्वरूप विकास-डॉ.देवेन्द्रप्रसाद सिंह (जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)<br>१०.हिंदी भाषा और नागरी लिपि-डॉ.भोलानाथ तिवारी<br>११.भारतीय आर्यभाषा और हिंदी-सुनीतिकुमार चाटुर्ज्या (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)<br>१२.कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग-विजयकुमार मल्होत्रा<br>१३.हिंदी और उसकी उपभाषाओं का स्वरूप-अंबा प्रसाद सुमन<br>१४.राजभाषा हिंदी-डॉ.कैलाशचंद्र भाटिया (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)<br>१५.राजभाषा का स्वरूप-कैलाशचंद्र भाटिया (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)<br>१६.आर्य और द्रविड भाषा-परिवारों का संबंध-डॉ.रामविलास शर्मा (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)<br>१७.हिंदी और उसकी उपभाषाओं का स्वरूप-अंबा प्रसाद सुमन</td></tr>
<tr><td>Teaching Methodology</td><td>व्याख्यान पद्धति, ब्लैक-बोर्ड पद्धति ,सामूहिक-चर्चा ,प्रश्नोत्तरी,पीपीटी द्वारा ,श्रव्य-दृश्य माध्यम ,कहानी-कथोपकथन द्वारा, असाइमेंट द्वारा</td></tr>
<tr><td>Evaluation Method</td><td>Internal Assessment: _50_ Marks<br>External Assessment: __50_____ Marks</td></tr>
</table>

**Subject Code [2701001208020302]**

| VEER NARMAD SOUTH GUJARAT UNIVERSITY, SURAT<br>SYLLABUS | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| **Program Name** | Honours Without OJT (B.A.) | | | | | |
| **Semester** | सेमेस्टर-8 | | | | | |
| **NCrF Credit Level** | 6 | | | | | |
| **Course Type** | **Major** | | | | | |
| **Course Subtype** | **Employability** | | | | | |
| **Subject Type** | **Discipline Specific** | | | | | |
| **Course Code** | Hindi MJ-22 | | | | | |
| **Course Level** | 400 | | | | | |
| **Course Title** | हिंदी साहित्य का इतिहास | | | | | |
| **Credit** | **Theory:** | **4** | **Practical:** | **0** | **Total:** | **4** |
| **Effective From** | **Academic Year:** 2026-27 से | | | | | |
| **Course Outcomes** | **CO1 - हिंदी साहित्येतिहास की लेखन परंपरा और सिद्धांतों की गहरी समझ विकसित करना —** छात्र साहित्य और इतिहास के अंतर्संबंध, इतिहास लेखन की चुनौतियाँ तथा आदिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि व प्रवृत्तियों को विश्लेषित कर सकेंगे।<br>**CO2 भक्तिकाल और रीतिकाल की ऐतिहासिक-सांस्कृतिक चेतना को समझना —** छात्र भक्ति आंदोलन, निर्गुण-सगुण प्रवृत्तियाँ, सूफी काव्य परंपरा और रीतिकालीन दरबारी संस्कृति की विविध साहित्यिक धाराओं का मूल्यांकन कर सकेंगे।<br>**CO3 - हिंदी गद्य साहित्य की विधाओं के विकास का विवेचन करना —** छात्र उपन्यास, कहानी और नाटक के ऐतिहासिक क्रम, प्रमुख रचनाकारों और आंदोलनों (2000 तक) का अध्ययन करके गद्य-साहित्य की प्रवृत्तियों को पहचान सकेंगे।<br>**CO4 - समकालीन आलोचना और प्रवासी साहित्य की अवधारणाओं का विश्लेषण करना —** छात्र प्रमुख आलोचकों के विचारों और प्रवासी हिंदी साहित्य के स्वरूप, संदर्भ और साहित्यकारों की भूमिका को समझने में सक्षम होंगे। | | | | | |
| **Course Content** | **Unit-1** इतिहास-दर्शन और साहित्येतिहास, हिंदी साहित्य के इतिहास की लेखन परंपरा,आधारभूत सामग्री और साहित्येतिहासके पुनर्लेखन की समस्याएँ।<br>हिंदी साहित्य-आदिकाल की पृष्ठभूमि, हिंदी साहित्य के आदिकाल का ऐतिहासिक परिदृश्य, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ।<br>**Unit – 2** भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक-चेतना एवम् भक्ति-आंदोलन प्रमुख निर्गुण संत कवि और उनका अवदान।भारत में सूफी मत का विकास तथा प्रमुख सूफी कवि और काव्य-ग्रंथ,सूफी काव्य में राम और कृष्ण-काव्य।<br>उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, काल-सीमा और नामकरण,दरबारी संस्कृति और लक्षण-ग्रंथों की परंपरा, रीति कालीन साहित्य की विभिन्न धाराएँ। | | | | | |

<table>
<tr><td></td><td>Unit – 3 हिंदी गद्य का उद्भव और विकास, सन् १८५७ ई. की राज-क्रांति और पुनर्जागरण।<br>प्रेमचंद पूर्व उपन्यास, प्रेमचंद और उनका युग,प्रेमचंद के परवर्ती उपन्यासकार (वर्ष 2000 तक)<br>कहानी-20वीं सदी की हिंदी कहानी,प्रमुख कहानी आंदोलन एवम् प्रमुख कहानीकार।<br>नाटक-हिंदी नाटक का विकास- स्वातंत्र्योत्तर युग, साठोत्तरयुग एवम् नया नाटक (वर्ष 2000 तक)।<br>Unit – 4 आलोचना-समकालीन हिंदी आलोचना, प्रमुख आलोचक।<br>हिंदी का प्रवासी साहित्य-अवधारणा एवम् प्रमुख साहित्यकार।</td></tr>
<tr><td>Mapping between Cos and PSOs</td><td><table><tr><td></td><td>PSO1</td><td>PSO2</td><td>PSO3</td><td>PSO4</td></tr><tr><td>CO1</td><td>√</td><td></td><td></td><td></td></tr><tr><td>CO2</td><td></td><td>√</td><td></td><td></td></tr><tr><td>CO3</td><td></td><td></td><td>√</td><td></td></tr><tr><td>CO4</td><td></td><td></td><td></td><td>√</td></tr></table></td></tr>
<tr><td>Reference Books</td><td>१. भाषा-विज्ञान-डॉ.भोलानाथ तिवारी (किताब महल, इलाहाबाद)<br>२. भाषा-विज्ञान की भूमिका-देवेन्द्रनाथ शर्मा (राधाकृष्ण प्रकाशन)<br>३. भाषा-विज्ञान-श्यामसुंदर दास (अनु प्रकाशन, जयपुर)<br>४. सामान्य भाषा-विज्ञान-डॉ.बाबूराम सक्सेना (हिंदी साहित्य सम्मेलन,प्रयाग)<br>५. हिंदी भाषा और भाषा विज्ञान –डो.अशोक के शाह (अमर प्रकाशन, मथुरा)<br>६. भाषा-विज्ञान एवम् भाषा-शास्त्र-डॉ.कपिलदेव द्विवेदी (विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी)<br>७. भाषा-विज्ञान-सैद्धांतिक चितन- रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव<br>८. समसामयिक भाषा- विज्ञान-डॉ.कविता रस्तोगी (सुलभ प्रकाशन, लखनऊ)<br>९. भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा का स्वरूप विकास-डॉ.देवेन्द्रप्रसाद सिंह (जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)<br>१०.हिंदी भाषा और नागरी लिपि-डॉ.भोलानाथ तिवारी<br>११.भारतीय आर्यभाषा और हिंदी-सुनीतिकुमार चाटुर्ज्या (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)<br>१२.कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग-विजयकुमार मल्होत्रा<br>१३.हिंदी और उसकी उपभाषाओं का स्वरूप-अंबा प्रसाद सुमन<br>१४.राजभाषा हिंदी-डॉ.कैलाशचंद्र भाटिया (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)<br>१५.राजभाषा का स्वरूप-कैलाशचंद्र भाटिया (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)<br>१६.आर्य और द्रविड भाषा-परिवारों का संबंध-डॉ.रामविलास शर्मा (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)<br>१७.हिंदी और उसकी उपभाषाओं का स्वरूप-अंबा प्रसाद सुमन</td></tr>
<tr><td>Teaching Methodology</td><td>व्याख्यान पद्धति, ब्लैक-बोर्ड पद्धति ,सामूहिक-चर्चा ,प्रश्नोत्तरी,पीपीटी द्वारा ,श्रव्य-दृश्य माध्यम ,कहानी-कथोपकथन द्वारा, असाइमेंट द्वारा</td></tr>
<tr><td>Evaluation Method</td><td>Internal Assessment: _50_ Marks<br>External Assessment: __50_____ Marks</td></tr>
</table>

Subject Code [2701001208030303]

**VEER NARMAD SOUTH GUJARAT UNIVERSITY, SURAT**
**SYLLABUS**

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| **Program Name** | Honours Without OJT (B.A.) | | | | |
| **Semester** | सेमेस्टर-8 | | | | |
| **NCrF Credit Level** | 6 | | | | |
| **Course Type** | **Major** | | | | |
| **Course Subtype** | **Employability** | | | | |
| **Subject Type** | **Discipline Specific** | | | | |
| **Course Code** | Hindi MJ-23 | | | | |
| **Course Level** | 400 | | | | |
| **Course Title** | कला और साहित्य | | | | |
| **Credit** | **Theory:** | **4** | **Practical:** | **0** | **Total:** 4 |
| **Effective From** | **Academic Year:** 2026-27 से | | | | |
| **Course Outcomes** | **CO1 -** छात्र कला और साहित्य के पारस्परिक संबंध को गहराई से समझ सकेंगे।<br>**CO2 -**भारतीय कला के ऐतिहासिक और सौंदर्यशास्त्रीय पक्षों का विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।<br>**CO3** – लोक-कला और लोक-साहित्य की सांस्कृतिक भूमिका को पहचान सकेंगे।<br>**CO4 -** साहित्यिक कृतियों के कलात्मक मूल्यांकन में विद्यार्थियों की दृष्टि विकसित होगी। | | | | |
| **Course Content** | Unit - 1. कला और साहित्य का अंतर संबंध, कला और समाज का अंतर संबंध कला में दीर्घजीविता के तत्व और उपकरण।<br>Unit -2. भारतीय कला का विकास भारतीय कला का सौदर्यशास्त्रीय महत्व कला और हिंदी साहित्य के संबंध की परंपरा।<br>Unit -3. लोक-कला और साहित्य<br>Unit -4. साहित्य के मूल्यांकन में कला का महत्व। भारतीय नाट्यकला का विकास भारतीय लोक-नाट्य। | | | | |
| **Mapping between Cos and PSOs** | (see table below) | | | | |
| **Reference Books** | १. भारतीय तथा पाश्चात्य रंगमंच-सीताराम चतुर्वेदी<br>२. भारतीय ज्ञान गंगा-कला और साहित्य कोश-संपा, अमरनाथ कपूर, विश्वप्रकाश गुप्ता<br>३. साहित्य और कला-भगवतशरण उपाध्याय (आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली)<br>४. साहित्य और कला-मार्क्स-एंगेल्स<br>५. भारतीय संस्कृति और हिंदी प्रदेश-डॉ. रामविलास शर्मा (किताबघर, दिल्ली)<br>६. लोक और शास्वा अन्वय और समन्वय-दयानिधि मिश्र | | | | |
| **Teaching Methodology** | व्याख्यान पद्धति, ब्लैक-बोर्ड पद्धति ,सामूहिक-चर्चा ,प्रश्नोत्तरी,पीपीटी द्वारा ,श्रव्य-दृश्य माध्यम ,कहानी-कथोपकथन द्वारा, असाइमेंट द्वारा | | | | |
| **Evaluation Method** | Internal Assessment: _50_ Marks<br>External Assessment: __50_____ Marks | | | | |

Mapping between Cos and PSOs:

| | PSO1 | PSO2 | PSO3 | PSO4 |
|---|---|---|---|---|
| CO1 | √ | | | |
| CO2 | | √ | | |
| CO3 | | | √ | |
| CO4 | | | | √ |

**Subject Code [2701001208050305]**

<table>
<tr><td colspan="7">VEER NARMAD SOUTH GUJARAT UNIVERSITY, SURAT<br><br>SYLLABUS</td></tr>
<tr><td>Program Name</td><td colspan="6">(Honors Withaut OJT) (B.A.)</td></tr>
<tr><td>Semester</td><td colspan="6">सेमेस्टर-8</td></tr>
<tr><td>NCrF Credit Level</td><td colspan="6">6</td></tr>
<tr><td>Course Type</td><td colspan="6">Major</td></tr>
<tr><td>Course Subtype</td><td colspan="6">Employability</td></tr>
<tr><td>Subject Type</td><td colspan="6">Discipline Specific</td></tr>
<tr><td>Course Code</td><td colspan="6">Hindi - MJ-24</td></tr>
<tr><td>Course Level</td><td colspan="6">400</td></tr>
<tr><td>Course Title</td><td colspan="6">हिंदी उपन्यास साहित्य</td></tr>
<tr><td>Credit</td><td>Theory:</td><td>4</td><td>Practical:</td><td>0</td><td>Total:</td><td>4</td></tr>
<tr><td>Effective From</td><td colspan="6">Academic Year: 2026-27 से</td></tr>
<tr><td>Course Outcomes</td><td colspan="6">CO1 - 'अपने-अपने अजनबी' और 'कोहबर की शर्त' के कथ्य, पात्र, और शिल्प की समग्र समझ विकसित करना। छात्र इन दो कृतियों के मुख्य एवं गौण पात्रों के विश्लेषण के माध्यम से कथानक और साहित्यिक तकनीकों को समझ पाएंगे।<br>CO2 अस्तित्ववादी चेतना, मृत्यु-बोध, सामाजिक एवं सांस्कृतिक संदर्भों में कथाओं की व्याख्या करना सीखना। छात्रों में 'अपने-अपने अजनबी' में निहित अस्तित्ववादी विचार तथा 'कोहबर की शर्त' में खेती और प्रेम की कथाओं का विश्लेषण करने की क्षमता विकसित होगी।<br>CO3 - संवाद, वातावरण, तथा शीर्षक-योजना की रचनात्मक विशेषताओं का विश्लेषण करना। छात्र संवादों के प्रभाव, वातावरण की भूमिका और शीर्षक की योजना को समझकर साहित्यिक रचनाओं के अंतर्निहित संदेशों को बेहतर तरीके से समझ सकेंगे।<br>CO4 - भाषा-शैली और संवाद-रचना की तकनीकों का अध्ययन एवं आलोचनात्मक मूल्यांकन कर सकना। पाठ्यकृति की भाषा-शैली, संवाद रचना और साहित्यिक उपकरणों का आलोचनात्मक विश्लेषण कर छात्रों की साहित्यिक समझ में वृद्धि होगी।</td></tr>
<tr><td>Mapping between Cos and PSOs</td><td colspan="6">
<table>
<tr><td></td><td>PSO1</td><td>PSO2</td><td>PSO3</td><td>PSO4</td></tr>
<tr><td>CO1</td><td>√</td><td></td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>CO2</td><td></td><td>√</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>CO3</td><td></td><td></td><td>√</td><td></td></tr>
<tr><td>CO4</td><td></td><td></td><td></td><td>√</td></tr>
</table>
</td></tr>
<tr><td>Course Content</td><td colspan="6">Unit - 1. अपने-अपने अजनबी-अज्ञेय<br>'अपने-अपने अजनबी' का कथ्य और शिल्प, 'अपने-अपने अजनबी' के पात्र-योके, सेल्मा, 'अपने-अपने अजनबी' में व्यक्त अस्तित्ववादी चेतना और मृत्यु-बोध<br>Unit -2. कोहबर की शर्त-केशव प्रसाद मिश्र</td></tr>
</table>

| | |
|---|---|
| | 'कोहबर की शर्त' की कथावस्तु और उसका मूल्यांकन, 'कोहबर की शर्त' के मुख्य पात्र-चंदन, गुंजा, ओंकार, 'कोहबर की शर्त' खेती और प्रीति की कथा के रूप में।<br>**Unit -3.** 'अपने-अपने अजनबी' शीर्षक, 'अपने-अपने अजनबी' के संवाद व वातावरण-योजना, यान, पॉल सारेन, जगन्नाथ का चरित्र।<br>**Unit -4.** 'कोहबर की शर्त' के गौण पात्र-काका, दशरथ, बाला, पचीसा, बिहँसी, 'कोहबर की शर्त' की संवाद तथा वातावरण-योजना, 'कोहबर की शर्त' की शीर्षक-योजना, 'कोहबर की शर्त' की भाषा-शैली। |
| **Reference Books** | 1 अज्ञेय का उपन्यास साहित्य-दुर्गाशंकर मिश्र<br>2 आधुनिक समीक्षा-डॉ.देवराज उपाध्याय<br>3 अपने अपने अजनबीः समीक्षा-डॉ.देशराज सिंह भाटी<br>4 हिंदी उपन्यास की प्रवृत्तियाँ-डॉ.शशिभूषण सिंहल<br>5 आधुनिक हिंदी उपन्यास और अजनबीपन-विद्याशंकर राय<br>6 हिंदी उपन्यास में कथा-शिल्प का विकास-डॉ.प्रतापनारायम टंडन<br>7 कोहबर की शर्तः एक अध्ययन-डॉ.रूक्ष्मणी पटेल<br>8 उपन्यासकार केशवप्रसाद मिश्र-डॉ.रूक्ष्मणी पटेल |
| **Teaching Methodology** | व्याख्यान पद्धति, ब्लैक-बोर्ड पद्धति ,सामूहिक-चर्चा ,प्रश्नोत्तरी,पीपीटी द्वारा ,श्रव्य-दृश्य माध्यम ,कहानी-कथोपकथन द्वारा, असाइमेंट द्वारा |
| **Evaluation Method** | Internal Assessment: _50_ Marks<br>External Assessment: __50_____ Marks |

**VEER NARMAD SOUTH GUJARAT UNIVERSITY, SURAT**

# B.A. HINDI Semester-7 (Honours With Research)

| | |
|---|---|
| **Name of Program** | Bachelor of Arts |
| **Program Abbreviation** | B.A. |
| **Duration** | 04 Years Degree |
| **Eligibility Criteria** | H.S.C. Passed 04 Years (Honours Degree) |
| **Pre-requisite** | साहित्यिक ज्ञान में रूची |
| **Medium of Instruction** | Hindi |
| **Objective of Program** | 1. छात्रों को हिंदी विषय की राष्ट्रभाषा के रूप में विशेष जानकारी प्राप्त होगी।<br>2. छात्र केंद्रीय भरती बोर्ड की सभी परीक्षाएँ हिंदी माध्यम में देनेके लिए सक्षम होंगे।<br>3. राष्ट्रभाषा हिंदी के रूप में विदेशों में भी प्रचार प्रसार बढेगा।<br>4. भारत देश में हिंदी भाषा पर्यटकों कों विचारों का आदान-प्रदान के रूप में एक सूत्र में बाँध सकेगी।<br>5. हिंदी भाषा कें माध्यमसे भारत देश में देश प्रेम की भावना बढेगी। |
| **Program Outcome (PO)** | PO1 : छात्र 'कामायनी' के माध्यम से जयशंकर प्रसाद की काव्य-यात्रा, छायावाद की विशेषताएँ, रूपक एवं महाकाव्य तत्वों को पहचानने और 'गोदान' उपन्यास के अध्ययन से छात्र प्रेमचंद की उपन्यास-कला, यथार्थवाद, किसान जीवन की समस्याओं तथा सामाजिक संरचना की समझ विकसित कर सकेंगे। एवं उनमें अभिव्यक्त दार्शनिकता का विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।<br>PO2 : छात्र प्राचीन से आधुनिक तक के प्रमुख साहित्यिक सिद्धांतों और चिंतकों की विचारधाराओं को समझ सकेंगे।<br>PO3 : शोध की अवधारणाओं और महत्व की समझ: विद्यार्थी शोध की परिभाषा, उसके तत्वों, और समीक्षा के साथ उसके साम्य-वैषम्य को स्पष्ट रूप से समझ सकेंगे।<br>PO4 : छात्र हिंदी साहित्य के इतिहास के प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताओं को समझने में सक्षम होंगे।<br>PO5 : सायबर सुरक्षा को समझने में सक्षम होंगे। |
| **Program Specific Outcomes (PSO)** | PSO1 : कामायनी-जयशंकर प्रसाद एवं गोदान-प्रेमचंद<br>PSO2 : आलोचना / सिद्धांत और शास्त्र<br>PSO3 : शोध-प्रविधि<br>PSO4 : हिंदी साहित्य का इतिहास<br>PSO5 : बुनियादी साइबर सुरक्षा |
| **Mapping between Pos and PSOs** | (see table below) |

| | PSO1 | PSO2 | PSO3 | PSO4 | PSO5 | PSO6 |
|---|---|---|---|---|---|---|
| CO1 | √ | | | | | |
| CO2 | | √ | | | | |
| CO3 | | | √ | | | |
| CO4 | | | | √ | | |
| CO5 | | | | | √ | |
| | | | | | | |

## Structure of Program (B.A. HINDI Semester-7) (Honours With Research)

| Course Code | Course Category | Course Title | Marksheet Title in English | Level of Course | Teaching Hours/Week | | Exam Duration | | Credit | | Internal Marks | | External Marks | | Total Makrs | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | TH | PR | TH | PR | TH | PR | TH | PR | TH | PR | TH | PR |
| Major | HINDI MJ-17 | आधुनिक हिंदी साहित्य | Aadhunik Hindi Sahitya | 400 | 4 | 0 | 100 | 0 | 4 | 0 | 50 | 0 | 50 | 0 | 100 | 0 |
| Major | HINDI MJ-18 | आलोचना/ सिद्धांत और शास्त्र | Alochana/ Siddhant Aur Shastra | 400 | 4 | 0 | 100 | 0 | 4 | 0 | 50 | 0 | 50 | 0 | 100 | 0 |
| Major | HINDI MJ-19 | शोध – प्रविधि | Shodh Pravidhi | 400 | 4 | 0 | 100 | 0 | 4 | 0 | 50 | 0 | 50 | 0 | 100 | 0 |
| Minor | HINDI MN- 7 | साइबर सुरक्षा के मूल सिद्धांत | Fundamental of Cyber security | 400 | 4 | 0 | 100 | 0 | 4 | 0 | 50 | 0 | 50 | 0 | 100 | 0 |
| RP | RP | शोध परियोजना | Research Project | 400 | 0 | 6 | 0 | 0 | 00 | 06 | 0 | 75 | 0 | 75 | 0 | 150 |

**Subject Code [2601001207010301]**

**VEER NARMAD SOUTH GUJARAT UNIVERSITY, SURAT**

**SYLLABUS**

<table>
<tr><td>Program Name</td><td colspan="6">B.A. (Honours With Research)</td></tr>
<tr><td>Semester</td><td colspan="6">सेमेस्टर-7</td></tr>
<tr><td>NCrF Credit Level</td><td colspan="6">6</td></tr>
<tr><td>Course Type</td><td colspan="6">Major</td></tr>
<tr><td>Course Subtype</td><td colspan="6">Nil</td></tr>
<tr><td>Subject Type</td><td colspan="6">Discipline Specific</td></tr>
<tr><td>Course Code</td><td colspan="6">Hindi MJ-17</td></tr>
<tr><td>Course Level</td><td colspan="6">400</td></tr>
<tr><td>Course Title</td><td colspan="6">आधुनिक हिंदी साहित्य</td></tr>
<tr><td>Credit</td><td>Theory:</td><td>4</td><td>Practical:</td><td>0</td><td>Total:</td><td>4</td></tr>
<tr><td>Effective From</td><td colspan="6">Academic Year: 2026-27 से</td></tr>
<tr><td>Course Outcomes</td><td colspan="6">CO1 -छात्र 'कामायनी' के माध्यम से जयशंकर प्रसाद की काव्य-यात्रा, छायावाद की विशेषताएँ, रूपक एवं महाकाव्य तत्वों को पहचानने और उनमें अभिव्यक्त दार्शनिकता का विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।<br>CO3 ‘गोदान’ उपन्यास के अध्ययन से छात्र प्रेमचंद की उपन्यास-कला, यथार्थवाद, किसान जीवन की समस्याओं तथा सामाजिक संरचना की समझ विकसित कर सकेंगे।<br>CO3 -छात्र ‘कामायनी’ और ‘गोदान’ के प्रमुख एवं गौण पात्रों का तुलनात्मक और आलोचनात्मक विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।<br>CO4 -छात्र छायावादी और प्रेमचंदयुगीन हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियों को ऐतिहासिक, साहित्यिक और सामाजिक परिप्रेक्ष्य में समझने और अभिव्यक्त करने की क्षमता प्राप्त करेंगे।</td></tr>
<tr><td>Mapping between Cos and PSOs</td><td colspan="6"><table><tr><td></td><td>PSO1</td><td>PSO2</td><td>PSO3</td><td>PSO4</td></tr><tr><td>CO1</td><td>√</td><td></td><td></td><td></td></tr><tr><td>CO2</td><td></td><td>√</td><td></td><td></td></tr><tr><td>CO3</td><td></td><td></td><td>√</td><td></td></tr><tr><td>CO4</td><td></td><td></td><td></td><td>√</td></tr></table></td></tr>
<tr><td>Course Content</td><td colspan="6">Unit - 1 कामायनी-जयशंकर प्रसाद<br>प्रसाद की काव्य-यात्रा के विभिन्न चरण,‘कामायनी’ में इतिहास और कल्पना, ‘कामायनी’ का महाकाव्यत्व, ‘कामायनी’ - एक रूपक काव्य, ‘कामायनी’ की पात्र-सृष्टि- मनु, श्रद्धा और इड़ा, ‘कामायनी’ में अभिव्यक्त दार्शनिकता, ‘कामायनी’ : भाव पक्ष और कला पक्ष।<br>Unit – 2 गोदान-प्रेमचंद<br>प्रेमचंद का उपन्यास साहित्य, ‘गोदान’ : किसान जीवन की महागाथा, ‘गोदान’ : एक रोमांच रहित त्रासदी, ‘गोदान’ के प्रमुख पात्र, ‘गोदान’ का कथा- शिल्प।<br>Unit – 3 छायावाद की विशेषताएँ,कामायनी के गौण पात्र, कामायनी का प्रारंभ और अंत।</td></tr>
</table>

| | |
|---|---|
| | **Unit – 4** प्रेमचंदयुगीन हिंदी उपन्यास, प्रेमचंद की उपन्यास-कला, गोदान के गौण पात्र। |
| **Reference Books** | 1. कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ-डॉ.नगेन्द्र (नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली)<br>2. कामायनीः एक पुनर्विचार-गजानन माधव मुक्तिबोध (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)<br>3. कामायनी का पुनर्मूल्यांकन-रामस्वरूप चतुर्वेदी (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)<br>4. प्रसाद-काव्य-डॉ.प्रेमशंकर<br>5. जयशंकर प्रसाद - नंददुलारे वाजपेयी<br>6. मैथिलीशरण-डॉ.प्रभाकर माचवे(राजपाल एण्ड सन्ज़, दिल्ली)<br>7. मैथिलीशरण गुप्त व्यक्ति और अभिव्यक्ति- संपा.डॉ.सी.एल.प्रभात<br>8. कामायनी में काव्य, संस्कृति और दर्शन-डॉ.द्वारिका प्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा<br>9. कामायनी की आलोचना-प्रक्रिया-डॉ.गिरिजा राय (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)<br>10. आज का हिदी उपन्यास-डॉ.इंद्रनाथ मदान (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)<br>11. हिदी उपन्यास-एक अंतर्यात्रा-डॉ.रामदरश मिश्र (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)<br>12. हिदी उपन्यास-डॉ.सुषमा धवन (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)<br>13. हिदी उपन्यास की प्रवृतियाँ-डॉ.शशिभूषण सिहल (विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)<br>14. हिदी उपन्यासः उपलब्धियाँ-डॉ.लक्ष्मीसागर वाष्णेय (राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)<br>15. आधुनिकता और हिदी उपन्यास-डॉ.इन्द्रनाथ मदान (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)<br>16. हिंदी उपन्यास का इतिहास-गोपाल राय (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)<br>17. गोदान-नया परिपेक्ष्य-गोपाल राय (अनुपम प्रकाशन, पटना-4)<br>18.प्रेमचंद की विरासत और गोदानराजकमल प्रकाशन) शिवकुमार मिश्र-, दिल्ली( |
| **Teaching Methodology** | व्याख्यान पद्धति, ब्लैक-बोर्ड पद्धति ,सामूहिक-चर्चा ,प्रश्नोत्तरी,पीपीटी द्वारा ,श्रव्य-दृश्य माध्यम ,कहानी-कथोपकथन द्वारा, असाइमेंट द्वारा |
| **Evaluation Method** | Internal Assessment: _50__ Marks<br>External Assessment: __50_____ Marks |

**Subject Code [2601001207020302]**

<table>
<tr><td colspan="7">VEER NARMAD SOUTH GUJARAT UNIVERSITY, SURAT<br><br>SYLLABUS</td></tr>
<tr><td>Program Name</td><td colspan="6">B.A. (Honours With Research)</td></tr>
<tr><td>Semester</td><td colspan="6">सेमेस्टर-7</td></tr>
<tr><td>NCrF Credit Level</td><td colspan="6">6</td></tr>
<tr><td>Course Type</td><td colspan="6">Major</td></tr>
<tr><td>Course Subtype</td><td colspan="6">Nil</td></tr>
<tr><td>Subject Type</td><td colspan="6">Discipline Specific</td></tr>
<tr><td>Course Code</td><td colspan="6">Hindi MJ-18</td></tr>
<tr><td>Course Level</td><td colspan="6">400</td></tr>
<tr><td>Course Title</td><td colspan="6">आलोचना / सिद्धांत और शास्त्र</td></tr>
<tr><td>Credit</td><td>Theory:</td><td>4</td><td>Practical:</td><td>0</td><td>Total:</td><td>4</td></tr>
<tr><td>Effective From</td><td colspan="6">Academic Year: 2026-27 से</td></tr>
<tr><td>Course Outcomes</td><td colspan="6">CO1 - छात्र प्राचीन से आधुनिक तक के प्रमुख साहित्यिक सिद्धांतों और चिंतकों की विचारधाराओं को समझ सकेंगे।<br>CO2 विभिन्न साहित्यिक आंदोलनों और विचारधाराओं (जैसे यथार्थवाद, अस्तित्ववाद, स्वच्छंदतावाद आदि) का तुलनात्मक विश्लेषण कर सकेंगे।<br>CO3 - आधुनिक और उत्तर-आधुनिक सिद्धांतों (जैसे संरचनावाद, विखंडनवाद) की अवधारणाओं को पहचान कर साहित्यिक पाठों पर लागू कर सकेंगे।<br>CO4 - साहित्यिक आलोचना की विधियों में गहराई से सोचने, तर्क करने और विश्लेषण करने की क्षमता विकसित होगी।</td></tr>
<tr><td>Mapping between Cos and PSOs</td><td colspan="6"><table><tr><td></td><td>PSO1</td><td>PSO2</td><td>PSO3</td><td>PSO4</td></tr><tr><td>CO1</td><td>√</td><td></td><td></td><td></td></tr><tr><td>CO2</td><td></td><td>√</td><td></td><td></td></tr><tr><td>CO3</td><td></td><td></td><td>√</td><td></td></tr><tr><td>CO4</td><td></td><td></td><td></td><td>√</td></tr></table></td></tr>
<tr><td>Course Content</td><td colspan="6">Unit - 1 प्लेटो, अरस्तू, लोंजाइनस,ड्राइडेन और वर्डस्वर्थ के सिद्धांत का परिचय<br>Unit – 2 टी.एस.इलियट,आई.ए.रिचर्चड, एफ.आर.लीविस, ज्योर्ज लुकाच, अंतोनियो ग्राम्शी,रेमंड,विलियम्स,मिखाइल बाख्ति के सिद्धांत।<br>Unit – 3 शास्त्रवाद-स्वच्छंदतावाद, अभिव्यंजनावाद, यथार्थवाद,अस्तित्ववाद<br>Unit – 4 संरचनावाद,विखंडनवाद, उत्तर आधुनिकतावाद का परिचय व विशेषताएँ।</td></tr>
<tr><td>Reference Books</td><td colspan="6">१. रस-सिद्धांत-डॉ.नगेन्द्र (नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली)<br>२. रस-सिद्धांत की दार्शनिक और नैतिक व्याख्या-डॉ.तारकनाथ बाली (विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)<br>३. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका-डॉ.नगेन्द्र<br>४. अभिनव का रस विवेचन-नगीनदास पारेख<br>५. समीक्षा लोक-भगीरथ दीक्षित</td></tr>
</table>

| | |
|---|---|
| | ६. भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा-डॉ.नगेन्द्र<br>७. भारतीय काव्यशास्त्र – डॉ. अशोक के. शाह  अमर प्रकाशन, मथुरा<br>८. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत – डॉ. अशोक के. शाह, तथा डॉ.मधु वसावा जवाहर प्रकाशन, मथुरा<br>९. साहित्य काव्य-विमर्श-डॉ.राममूर्ति त्रिपाठी (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)<br>१०. पाश्चात्य काव्य-शास्त्र की परंपरा-डॉ. नगेन्द्र<br>११. पाश्चात्य काव्यशास्त्र-डॉ.भगीरथ मिश्र<br>१२. पाश्चात्य  काव्यशास्त्र– डॉ. अशोक के. शाह  अमर प्रकाशन, मथुरा<br>१३. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत – डॉ. अशोक के. शाह, तथा डॉ.मधु वसावा जवाहर प्रकाशन, मथुरा<br>१४. पाश्चात्य साहित्य-चिंतन-संपा.निर्मला जैन,कुसुम बाँठिया (राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)<br>१५. कार्ल मार्क्स-कला और साहित्य-चितन-संपा.डॉ.नामवर सिंह<br>१६. उत्तर आधुनिकता और उत्तर संरचनावाद-सुधीश पचौरी (हिमाचल प्रकाशन भंडार,दिल्ली)<br>१७. उत्तर आधुनिकता-कुछ विचार-संपा.देव शंकर नवीन तथा मिश्र (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)<br>१८. उत्तर आधुनिकःसाहित्यिक विमर्श-सुधीश पचौरी |
| **Teaching Methodology** | व्याख्यान पद्धति, ब्लैक-बोर्ड पद्धति ,सामूहिक-चर्चा ,प्रश्नोत्तरी,पीपीटी द्वारा ,श्रव्य-दृश्य माध्यम ,कहानी-कथोपकथन द्वारा, असाइमेंट द्वारा |
| **Evaluation Method** | Internal Assessment: _50__ Marks<br>External Assessment: __50_____ Marks |

**Subject Code [2601001207030304]**

<table>
<tr><td colspan="7">VEER NARMAD SOUTH GUJARAT UNIVERSITY, SURAT<br>SYLLABUS</td></tr>
<tr><td>Program Name</td><td colspan="6">B.A. (Honours With Research)</td></tr>
<tr><td>Semester</td><td colspan="6">सेमेस्टर-7</td></tr>
<tr><td>NCrF Credit Level</td><td colspan="6">6</td></tr>
<tr><td>Course Type</td><td colspan="6">Major</td></tr>
<tr><td>Course Subtype</td><td colspan="6">Nil</td></tr>
<tr><td>Subject Type</td><td colspan="6">Discipline Specific</td></tr>
<tr><td>Course Code</td><td colspan="6">Hindi MJ-19</td></tr>
<tr><td>Course Level</td><td colspan="6">400</td></tr>
<tr><td>Course Title</td><td colspan="6">शोध-प्रविधि</td></tr>
<tr><td>Credit</td><td>Theory:</td><td>4</td><td>Practical:</td><td>0</td><td>Total:</td><td>4</td></tr>
<tr><td>Effective From</td><td colspan="6">Academic Year: 2026-27 से</td></tr>
<tr><td>Course Outcomes</td><td colspan="6">CO1 - शोध की अवधारणाओं और महत्व की समझ: विद्यार्थी शोध की परिभाषा, उसके तत्वों, और समीक्षा के साथ उसके साम्य-वैषम्य को स्पष्ट रूप से समझ सकेंगे।<br>CO2 शोध के विभिन्न प्रकारों की पहचान और उनका विश्लेषण: विद्यार्थी विभिन्न प्रकार के शोध की पहचान कर सकेंगे और अपने अध्ययन के उपयुक्त शोध प्रकार का चयन करने में सक्षम होंगे। CO3 - डेटा संग्रहण की रणनीतियों का प्रयोग: विद्यार्थी विभिन्न स्रोतों से शोध-सामग्री एकत्र करने, साक्षात्कार की योजना बनाने और नोट्स तैयार करने की विधियों में दक्षता प्राप्त करेंगे। CO4 - तकनीकी उपकरणों की सहायता से शोध कार्य संपादन: विद्यार्थी एमएस ऑफिस, पावर प्वाइंट, और इंटरनेट संसाधनों का उपयोग कर शोध प्रस्तुति तैयार कर सकेंगे और डिजिटल मंचों पर शोध संसाधनों तक पहुँच प्राप्त कर सकेंगे।</td></tr>
<tr><td>Mapping between Cos and PSOs</td><td colspan="6"><table><tr><td></td><td>PSO1</td><td>PSO2</td><td>PSO3</td><td>PSO4</td></tr><tr><td>CO1</td><td>√</td><td></td><td></td><td></td></tr><tr><td>CO2</td><td></td><td>√</td><td></td><td></td></tr><tr><td>CO3</td><td></td><td></td><td>√</td><td></td></tr><tr><td>CO4</td><td></td><td></td><td></td><td>√</td></tr></table></td></tr>
<tr><td>Course Content</td><td colspan="6">Unit - 1. शोध की परिभाषा,स्वरूप एवम् महत्व<br>शोध का अर्थ, परिभाषा, शोध के पर्यायों का विश्लेषण,शोध का महत्व, शोध के तत्त्व<br>शोध और समीक्षा में साम्य-वैषम्य।<br>Unit -2. शोध के प्रकार<br>साहित्यिक शोध, तुलनात्मक शोध, ऐतिहासिक शोध,भाषा-वैज्ञानिक शोध, साहित्य का समाजशास्त्रीय शोध,साहित्य का मनोवैज्ञानिक शोध।<br>Unit -3. शोध-सामग्री संग्रह और विश्लेषण<br>उद्देश्य और वर्गीकरण,प्राथमिक और माध्यमिक स्रोत</td></tr>
</table>

| | |
|---|---|
| | विभिन्न संसाधन: पुस्तकालय, फील्ड और अन्य स्रोत<br>पुस्तकालय स्रोतों से डेटा का संग्रह<br>क्षेत्र-कार्य (फ़ील्ड वर्क) और उसके प्रकार-विधियाँ<br>साक्षात्कार डिजाइनिंग, नोट लेना।<br>**Unit -4**. डेटा विश्लेषण सॉफ्टवेयर और विश्लेषण तकनीक<br>एम.एस. कार्यालय का उपयोग,पावर प्वाइंट प्रस्तुतियों की तैयारी<br>अनुसंधान उद्देश्य के लिए इंटरनेट का उपयोग<br>यूसीएफइन्नेट, इनफ्लिनेट और ईर्नेट आदि का परिचय। |
| **Reference Books** | 1. नवीन शोधप्रकाशन संस्थान) तिलक सिंह.डॉ-विज्ञान-, दिल्ली(<br>2. शोधनेशनल पब्लिशिंग हाउस) विनय मोहन शर्मा.डॉ-प्रविधि-, दिल्ली(<br>3. अनुसंधान की प्रक्रियानेशनल पब्लिसिंग हाऊस) सावित्री सिंहा.डॉ-, दिल्ली(<br>4. अनुसंधान प्रविधिलोकभारती प्रकाशन) गणेशन.एन.एस.डॉ-, इलाहाबाद(<br>5. शोधःस्वरूप एवम् मानक व्यावहारिक कार्यवाणी प) बैजनाथ सहगल-विधि-्रकाशन, दिल्ली(<br>6. साहित्यिक अनुसंधान के आयामजैन.के.आर.डॉ- (नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली( |
| **Teaching Methodology** | व्याख्यान पद्धति, ब्लैक-बोर्ड पद्धति ,सामूहिक-चर्चा ,प्रश्नोत्तरी,पीपीटी द्वारा ,श्रव्य-दृश्य माध्यम ,कहानी-कथोपकथन द्वारा, असाइमेंट द्वारा |
| **Evaluation Method** | Internal Assessment: _50__ Marks<br>External Assessment: __50_____ Marks |

**Subject Code [2601001207050002]**

## शोध परियोजना -1 (RP-1) Course (Credits 06) (Total Marks 150)

## प्रश्नपत्र-1 शोध परियोजना (Research Project - Credits 06) (Marks-150)

इसके अंतर्गत छात्रों को किसी भी हिंदी साहित्यक विधा की पुस्तक (खंडकाव्य, महाकाव्य, उपन्यास, नाटक, कहानी-संग्रह, निबंध-संग्रह, एकांकी-संग्रह, जीवनी, आत्मकथा) पर एक शोध-प्रकल्प अपने शोध-निर्देशक के मार्गदर्शन में मौलिक रूप से 50 पृष्ठों में टंकित रूप में जमा करवाना होगा। इसके मुद्दे पी.जी.केन्द्र संचालक की ओर से दिए जायेंगे। हरेक छात्र को अलग-अलग मुद्दे देने होंगे। इसकी मौखिकी मान्य पी-एच.डी. शोध-निर्देशकों द्वारा करवानी होगा। उन्हें उचित मानदेय देना होगा।

**VEER NARMAD SOUTH GUJARAT UNIVERSITY, SURAT**

## B.A. HINDI Semester-8 (Honours With Research)

| | |
|---|---|
| **Name of Program** | Bachelor of Arts |
| **Program Abbreviation** | B.A. |
| **Duration** | 04 Years Degree |
| **Eligibility Criteria** | H.S.C. Passed 04 Years (Honours Degree) |
| **Pre-requisite** | साहित्यिक ज्ञान में रूची |
| **Medium of Instruction** | Hindi |
| **Objective of Program** | 1. छात्रों को हिंदी विषय की राष्ट्रभाषा के रूप में विशेष जानकारी प्राप्त होगी।<br>2. छात्र केंद्रीय भरती बोर्ड की सभी परीक्षाएँ हिंदी माध्यम में देनेके लिए सक्षम होंगे।<br>3. राष्ट्रभाषा हिंदी के रूप में विदेशों में भी प्रचार प्रसार बढेगा।<br>4. भारत देश में हिंदी भाषा पर्यटकों कों विचारों का आदान-प्रदान के रूप में एक सूत्र में बाँध सकेगी।<br>5. हिंदी भाषा कें माध्यमसे भारत देश में देश प्रेम की भावना बढेगी। |
| **Program Outcome (PO)** | PO1 : भाषा-विज्ञान की मूल अवधारणाओं की समझ विकसित करना — छात्र भाषा की परिभाषा, उत्पत्ति, विविध रूपों तथा भाषा-विज्ञान के अन्य शास्त्रों से संबंध को गहराई से समझ सकेंगे।<br>PO2 : हिंदी साहित्येतिहास की लेखन परंपरा और सिद्धांतों की गहरी समझ विकसित करना — छात्र साहित्य और इतिहास के अंतर्संबंध, इतिहास लेखन की चुनौतियाँ तथा आदिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि व प्रवृत्तियों को विश्लेषित कर सकेंगे।<br>PO3 : शोध की अवधारणा, प्रकार और महत्व की सम्यक् समझ विकसित करना — छात्र शोध की परिभाषा, तत्त्व, स्वरूप एवं विभिन्न शोध प्रकारों (साहित्यिक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, भाषावैज्ञानिक आदि) को स्पष्ट रूप से समझ कर सकेंगे।<br>PO4 : 'संशय की एक रात' और 'रश्मिरथी' के सांस्कृतिक, दार्शनिक और काव्यात्मक पक्षों की गहरी समझ विकसित करना — छात्र इन काव्यग्रंथों के माध्यम से भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों, युगीन आदर्शों तथा भक्ति एवं प्रेम की भावनाओं को समझने में सक्षम होंगे।<br>PO5: सायबर सुरक्षा को समझ सकेंगे। |
| **Program Specific Outcomes (PSO)** | PSO1 : भाषा-विज्ञान और हिंदी भाषा<br>PSO2 : हिंदी साहित्य का इतिहास<br>PSO3 : शोध-प्रविधि एवम् प्रकल्प<br>PSO4 : आधुनिक हिंदी काव्य<br>(संशय की रात –नरेश महेता एवं रश्मिरथी – रामधारी सिंह )<br>P<br>S |
| **Mapping between Pos and PSOs** | (see table below) |

| | PSO1 | PSO2 | PSO3 | PSO4 | PSO5 |
|---|---|---|---|---|---|
| CO1 | √ | | | | |
| CO2 | | √ | | | |
| CO3 | | | √ | | |
| CO4 | | | | √ | |
| CO5 | | | | | √ |

## Structure of Program (B.A. HINDI : Semester-8) (Honours With Research)

| Course Code | Course Category | Course Title | Marksheet Title in English | Level of Course | Teaching Hours/Week | | Exam Duration | | Credit | | Internal Marks | | External Marks | | Total Makrs | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | TH | PR | TH | PR | TH | PR | TH | PR | TH | PR | TH | PR |
| Major | HINDI MJ-21 | भाषा-विज्ञान और हिंदी भाषा | Linguistics and Hindi Language | 400 | 4 | 0 | 2 | 0 | 4 | 0 | 50 | 0 | 50 | 0 | 100 | 0 |
| Major | HINDI MJ-22 | हिंदी साहित्य का इतिहास | History of Hindi Literature | 400 | 4 | 0 | 2 | 0 | 4 | 0 | 50 | 0 | 50 | 0 | 100 | 0 |
| Major | HINDI MJ-23 | शोध-प्रविधि एवम् प्रकल्प | Research methodology and project | 400 | 4 | 0 | 2 | 0 | 4 | 0 | 50 | 0 | 50 | 0 | 100 | 0 |
| Minor | HINDI MN- 8 | उद्यमशीलता | Entrepreneurship | 400 | 4 | 0 | 2 | 0 | 4 | 0 | 50 | 0 | 50 | 0 | 100 | 0 |
| RP | RP | शोध परियोजना | Research Project | 400 | 0 | 0 | 0 | 0 | 00 | 06 | 0 | 75 | 0 | 75 | 0 | 150 |

Subject Code [2701001208010301]

<table>
<tr><td colspan="7">VEER NARMAD SOUTH GUJARAT UNIVERSITY, SURAT<br>SYLLABUS</td></tr>
<tr><td>Program Name</td><td colspan="6">B.A. (Honours With Research)</td></tr>
<tr><td>Semester</td><td colspan="6">सेमेस्टर-8</td></tr>
<tr><td>NCrF Credit Level</td><td colspan="6">6</td></tr>
<tr><td>Course Type</td><td colspan="6">Major</td></tr>
<tr><td>Course Subtype</td><td colspan="6">Nil</td></tr>
<tr><td>Subject Type</td><td colspan="6">Discipline Specific</td></tr>
<tr><td>Course Code</td><td colspan="6">Hindi MJ-21</td></tr>
<tr><td>Course Level</td><td colspan="6">400</td></tr>
<tr><td>Course Title</td><td colspan="6">भाषा-विज्ञान और हिंदी भाषा</td></tr>
<tr><td>Credit</td><td>Theory:</td><td>4</td><td>Practical:</td><td>0</td><td>Total:</td><td>4</td></tr>
<tr><td>Effective From</td><td colspan="6">Academic Year: 2026-27 से</td></tr>
<tr><td>Course Outcomes</td><td colspan="6">CO1 - भाषा-विज्ञान की मूल अवधारणाओं की समझ विकसित करना — छात्र भाषा की परिभाषा, उत्पत्ति, विविध रूपों तथा भाषा-विज्ञान के अन्य शास्त्रों से संबंध को गहराई से समझ सकेंगे।<br>CO2 स्वन विज्ञान एवं स्वनिम विज्ञान का विश्लेषणात्मक ज्ञान अर्जित करना — छात्र वाग्वयवों, स्वनों के वर्गीकरण, स्वनगुणों और स्वनिमों की पहचान एवं विश्लेषण की क्षमता प्राप्त करेंगे।<br>CO3 - हिंदी की उपभाषाओं, बोलियों और देवनागरी लिपि की विशेषताओं को समझना — छात्र हिंदी के भौगोलिक विस्तार, प्रमुख बोलियों तथा लिपि के मानकीकरण की प्रक्रिया को पहचान सकेंगे।<br>CO4 -हिंदी भाषा के व्यावहारिक प्रयोग एवं तकनीकी विकास में दक्षता प्राप्त करना — छात्र हिंदी के भाषिक रूपों, संचार माध्यमों तथा कम्प्यूटरीकरण से जुड़े अनुप्रयोगों (जैसे मशीनी अनुवाद, वर्तनी शोधक आदि) की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।</td></tr>
<tr><td>Mapping between Cos and PSOs</td><td colspan="6"><table><tr><td></td><td>PSO1</td><td>PSO2</td><td>PSO3</td><td>PSO4</td></tr><tr><td>CO1</td><td>√</td><td></td><td></td><td></td></tr><tr><td>CO2</td><td></td><td>√</td><td></td><td></td></tr><tr><td>CO3</td><td></td><td></td><td>√</td><td></td></tr><tr><td>CO4</td><td></td><td></td><td></td><td>√</td></tr></table></td></tr>
<tr><td>Course Content</td><td colspan="6">Unit - 1 भाषा का अर्थ,परिभाषा तथा भाषा की उत्पत्ति विषयक विवध मत<br>भाषा के विविध रूप-बोली,विभाषा और भाषा में अंतर<br>भाषा-विज्ञान का अन्य शास्त्रों-साहित्य, व्याकरण, समाजशास्त्र, इतिहास एवम् मनोविज्ञान से संबंध,भाषा-विज्ञान की प्रमुख शाखाएँ,भाषा के वैयक्तिक, सामाजिक और सार्वभौमिक पक्ष।Unit – 2 स्वनप्रक्रिया - स्वन विज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ, वागवयव और उनके</td></tr>
</table>

| | |
|---|---|
| | कार्य, स्वन की अवधारणा और स्वनों का वर्गीकरण, स्वनगुण,स्वनिक परिवर्तन,स्वनिम विज्ञान का स्वरूप, स्वनिम की अवधारणा, स्वनिम के भेद, स्वनिम विश्लेषण।<br>**Unit – 3** हिंदी की उपभाषाएँ और देवनागरी लिपि :<br>हिंदी का भौगोलिक विस्तार-हिंदी की उपभाषाएँ, पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, राजस्थानी,बिहारी तथा पहाडी और उनकी बोलियाँ, खडीबोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएँ।<br>देवनागरी लिपि-विशेषताएँ और मानकीकरण।<br>**Unit – 4** हिंदी का भाषिक स्वरूप :<br>हिंदी ध्वनियों के वर्गीकरण का आधार।<br>हिंदी के स्वर तथा व्यंजन ध्वनियों का वर्गीकरण<br>हिंदी के विविध रूप-हिंदी, उर्दू, दक्खिनी, हिन्दुस्तानी।<br>हिंदी भाषा-प्रयोग के विविध रूप-बोली, मानक भाषा, संपर्क-भाषा, राष्ट्रभाषा,राजभाषा, यांत्रिक भाषा।संचार-भाषा के रूप में हिंदी की उपलब्धियाँ।<br>हिंदी कम्प्यूटीकरण :<br>कम्प्यूटर मेंहिंदी के विभिन्न प्रयोग-आंकडा-संसाधन और शब्द-संसाधन, वर्तनी-शोधक, मशीनी अनुवाद, हिंदी भाषा-शिक्षण। |
| **Reference Books** | १. भाषा-विज्ञान-डॉ.भोलानाथ तिवारी (किताब महल, इलाहाबाद)<br>२. भाषा-विज्ञान की भूमिका-देवेन्द्रनाथ शर्मा (राधाकृष्ण प्रकाशन)<br>३. भाषा-विज्ञान-श्यामसुंदर दास (अनु प्रकाशन, जयपुर)<br>४. सामान्य भाषा-विज्ञान-डॉ.बाबूराम सक्सेना (हिंदी साहित्य सम्मेलन,प्रयाग)<br>५. हिंदी भाषा और भाषा विज्ञान –डो.अशोक के शाह (अमर प्रकाशन, मथुरा)<br>६. भाषा-विज्ञान एवम् भाषा-शास्त्र-डॉ.कपिलदेव द्विवेदी (विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी)<br>७. भाषा-विज्ञान-सैद्धांतिक चितन- रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव<br>८. समसामयिक भाषा- विज्ञान-डॉ.कविता रस्तोगी (सुलभ प्रकाशन, लखनऊ)<br>९. भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा का स्वरूप विकास-डॉ.देवेन्द्रप्रसाद सिंह (जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)<br>१०. हिंदी भाषा और नागरी लिपि-डॉ.भोलानाथ तिवारी<br>११. भारतीय आर्यभाषा और हिंदी-सुनीतिकुमार चाटुर्ज्या (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)<br>१२. कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग-विजयकुमार मल्होत्रा<br>१३. हिंदी और उसकी उपभाषाओं का स्वरूप-अंबा प्रसाद सुमन<br>१४. राजभाषा हिंदी-डॉ.कैलाशचंद्र भाटिया (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)<br>१५. राजभाषा का स्वरूप-कैलाशचंद्र भाटिया (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)<br>१६. आर्य और द्रविड भाषा-परिवारों का संबंध-डॉ.रामविलास शर्मा (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)<br>१७. हिंदी और उसकी उपभाषाओं का स्वरूप-अंबा प्रसाद सुमन |
| **Teaching Methodology** | व्याख्यान पद्धति, ब्लैक-बोर्ड पद्धति ,सामूहिक-चर्चा ,प्रश्नोत्तरी,पीपीटी द्वारा ,श्रव्य-दृश्य माध्यम ,कहानी-कथोपकथन द्वारा, असाइमेंट द्वारा |
| **Evaluation Method** | Internal Assessment: _50__ Marks<br>External Assessment: __50_____ Marks |

Subject Code [2701001208020302]

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| **VEER NARMAD SOUTH GUJARAT UNIVERSITY, SURAT**<br><br>**SYLLABUS** | | | | | | |
| **Program Name** | B.A. (Honours **With Research)** | | | | | |
| **Semester** | **सेमेस्टर**-8 | | | | | |
| **NCrF Credit Level** | 6 | | | | | |
| **Course Type** | **Major** | | | | | |
| **Course Subtype** | **Nil** | | | | | |
| **Subject Type** | **Discipline Specific** | | | | | |
| **Course Code** | Hindi MJ-22 | | | | | |
| **Course Level** | 400 | | | | | |
| **Course Title** | हिंदी साहित्य का इतिहास | | | | | |
| **Credit** | **Theory:** | **4** | **Practical:** | **0** | **Total:** | **4** |
| **Effective From** | **Academic Year:** 2026-27 से | | | | | |
| **Course Outcomes** | **CO1 - हिंदी साहित्येतिहास की लेखन परंपरा और सिद्धांतों की गहरी समझ विकसित करना** — छात्र साहित्य और इतिहास के अंतर्संबंध, इतिहास लेखन की चुनौतियाँ तथा आदिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि व प्रवृत्तियों को विश्लेषित कर सकेंगे।<br>**CO2 भक्तिकाल और रीतिकाल की ऐतिहासिक-सांस्कृतिक चेतना को समझना** — छात्र भक्ति आंदोलन, निर्गुण-सगुण प्रवृत्तियाँ, सूफी काव्य परंपरा और रीतिकालीन दरबारी संस्कृति की विविध साहित्यिक धाराओं का मूल्यांकन कर सकेंगे।<br>**CO3 - हिंदी गद्य साहित्य की विधाओं के विकास का विवेचन करना** — छात्र उपन्यास, कहानी और नाटक के ऐतिहासिक क्रम, प्रमुख रचनाकारों और आंदोलनों (2000 तक) का अध्ययन करके गद्य-साहित्य की प्रवृत्तियों को पहचान सकेंगे।<br>**CO4 - समकालीन आलोचना और प्रवासी साहित्य की अवधारणाओं का विश्लेषण करना** — छात्र प्रमुख आलोचकों के विचारों और प्रवासी हिंदी साहित्य के स्वरूप, संदर्भ और साहित्यकारों की भूमिका को समझने में सक्षम होंगे। | | | | | |
| **Mapping between Cos and PSOs** | <table><tr><td></td><td>PSO1</td><td>PSO2</td><td>PSO3</td><td>PSO4</td></tr><tr><td>CO1</td><td>√</td><td></td><td></td><td></td></tr><tr><td>CO2</td><td></td><td>√</td><td></td><td></td></tr><tr><td>CO3</td><td></td><td></td><td>√</td><td></td></tr><tr><td>CO4</td><td></td><td></td><td></td><td>√</td></tr></table> | | | | | |
| **Course Content** | **Unit-1** इतिहास-दर्शन और साहित्येतिहास, हिंदी साहित्य के इतिहास की लेखन परंपरा,आधारभूत सामग्री और साहित्येतिहासके पुनर्लेखन की समस्याएँ।<br>हिंदी साहित्य-आदिकाल की पृष्ठभूमि, हिंदी साहित्य के आदिकाल का ऐतिहासिक परिदृश्य, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ। | | | | | |

| | |
|---|---|
| | **Unit – 2** भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक-चेतना एवम् भक्ति-आंदोलन प्रमुख निर्गुण संत कवि और उनका अवदान।भारत में सूफी मत का विकास तथा प्रमुख सूफी कवि और<br>काव्य-ग्रंथ,सूफी काव्य में राम और कृष्ण-काव्य।<br>उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, काल-सीमा और नामकरण,दरबारी संस्कृति और लक्षण-ग्रंथों की परंपरा, रीति कालीन साहित्य की विभिन्न धाराएँ।<br>**Unit – 3** हिंदी गद्य का उद्भव और विकास, सन् १८५७ ई. की राज-क्रांति और पुनर्जागरण। प्रेमचंद पूर्व उपन्यास, प्रेमचंद और उनका युग,प्रेमचंद के परवर्ती उपन्यासकार (वर्ष 2000 तक)<br>कहानी-20वीं सदी की हिंदी कहानी,प्रमुख कहानी आंदोलन एवम् प्रमुख कहानीकार।<br>नाटक-हिंदी नाटक का विकास- स्वातंत्र्योत्तर युग, साठोत्तरयुग एवम् नया नाटक (वर्ष 2000 तक)।<br>**Unit – 4** आलोचना-समकालीन हिंदी आलोचना, प्रमुख आलोचक।<br>हिंदी का प्रवासी साहित्य-अवधारणा एवम् प्रमुख साहित्यकार। |
| **Reference Books** | 1. हिंदी साहित्य का अतीतवाणी प्रकाशन) आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र-२-१-भाग-, दिल्ली(<br>2. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहासबच्चन सिह.डॉ-<br>3. हिंदी साहित्य का इतिहासनागरी प्रचारिणी सभा) आचार्य रामचंद्र शुक्ल-, वाराणसी(<br>4. हिंदी साहित्य का इतिहास डॉनेशनल पब्लिशिंग हाउस) नगेन्द्र., नई दिल्ली(<br>5. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँलोकभारती प्रकाशन) नामवर सिंह.डॉ-,इलाहाबाद(<br>6. हिंदी साहित्यराजकमल प्रकाशन) हजारी प्रसाद द्विवेदी .डॉ-उद्भव और विकास-, नई दिल्ली(<br>7. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ विनोद) जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल.डॉ-पुस्तक मंदिर, आगरा(<br>8. मोरिशस में हिंदी साहित्य का उद्भव और विकासश्यामधर तिवारी.डॉ-<br>9. हिन्दी आलोचना समकालीन परिदृश्य :-कृष्णदत्त पालीवाल (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली(<br>10. हिन्दी आलोचना की बीसवीं सदी-निर्मला जैन (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली(<br>11. प्रवासी साहित्यःजोहान्सबर्ग से आगेकमल किशोर गोयनका-<br>12. हिन्दी साहित्य का इतिहास पुनर्लेखन की आवश्यकता-पुखराज मारू (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली( |
| **Teaching Methodology** | व्याख्यान पद्धति, ब्लैक-बोर्ड पद्धति ,सामूहिक-चर्चा ,प्रश्नोत्तरी,पीपीटी द्वारा ,श्रव्य-दृश्य माध्यम ,कहानी-कथोपकथन द्वारा, असाइमेंट द्वारा |
| **Evaluation Method** | Internal Assessment: _50__ Marks<br>External Assessment: __50_____ Marks |

Subject Code [2701001208030304]

| VEER NARMAD SOUTH GUJARAT UNIVERSITY, SURAT<br>SYLLABUS | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| **Program Name** | B.A. (Honours **With Research)** | | | | | |
| **Semester** | **सेमेस्टर-**8 | | | | | |
| **NCrF Credit Level** | 6 | | | | | |
| **Course Type** | **Major** | | | | | |
| **Course Subtype** | **Nil** | | | | | |
| **Subject Type** | **Discipline Specific** | | | | | |
| **Course Code** | Hindi MJ-23 | | | | | |
| **Course Level** | 400 | | | | | |
| **Course Title** | शोध-प्रविधि एवम् प्रकल्प | | | | | |
| **Credit** | **Theory:** | **4** | **Practical:** | **0** | **Total:** | **4** |
| **Effective From** | **Academic Year:** 2026-27 से | | | | | |
| **Course Outcomes** | **CO1 - शोध की अवधारणा, प्रकार और महत्व की सम्यक् समझ विकसित करना** — छात्र शोध की परिभाषा, तत्त्व, स्वरूप एवं विभिन्न शोध प्रकारों (साहित्यिक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, भाषावैज्ञानिक आदि) को स्पष्ट रूप से समझ सकेंगे।<br>**CO2 शोध सामग्री के संकलन और विश्लेषण की तकनीकों में दक्षता प्राप्त करना** — छात्र पुस्तकालय, फील्ड वर्क तथा ऑनलाइन संसाधनों से डेटा संग्रहण और उसका विश्लेषण करना सीखेंगे; साथ ही अनुसंधान के लिए डिजिटल उपकरणों और सॉफ्टवेयर का उपयोग करना जानेंगे।<br>**CO3 - शोध-लेखन की प्रक्रिया और प्रविधियों का व्यावहारिक अभ्यास करना** — छात्र शोध शीर्षक चयन से लेकर प्रस्तावना, अध्याय विभाजन, स्रोत सूची और विषयसूची निर्माण तक की पूरी शोध प्रक्रिया को व्यवस्थित रूप से लागू कर सकेंगे।<br>**CO4 - व्यावहारिक शोध परियोजना तैयार करने में सक्षम होना** — छात्र 75–85 पृष्ठों की एक व्यवस्थित, मौलिक और स्रोत-आधारित शोध-प्रकल्प तैयार करने की क्षमता विकसित करेंगे, जिसमें पांडुलिपि संपादन की विधियाँ भी सम्मिलित होंगी। | | | | | |
| **Mapping between Cos and PSOs** | (see table below) | | | | | |

| | PSO1 | PSO2 | PSO3 | PSO4 |
|---|---|---|---|---|
| CO1 | √ | | | |
| CO2 | | √ | | |
| CO3 | | | √ | |
| CO4 | | | | √ |

| | |
|---|---|
| **Course Content** | **Unit - 1**. अनुसंधान की अवधारणाः अनुसंधान के प्रकार<br>साहित्यिक शोध<br>तुलनात्मक शोध<br>ऐतिहासिक शोध<br>भाषा वैज्ञानिक शोध :शैली वैज्ञानिक शोध, समाजवैज्ञानिक शोध , मनोवैज्ञानिक शोध<br>अंतर्विद्याकीयशोध : साहित्य का समाज शास्त्रीय शोध, साहित्य का मनोवैज्ञानिक<br>शोध **Unit -2**. शोध के उपकरण प्रक्रिया<br>विषय निर्वाचन<br>समग्री-संकलन, हस्तलेखों का संकलन और उपयोग<br>शोध कार्य का विभाजन, अध्याय-उपशीर्षक और अनुपात<br>रूपरेखा, विषय-सूची, प्रस्तावना, भूमिका, सहायक ग्रंथों की सूची, संदर्भ-उल्लेख, पाद-टिप्पणी<br>**Unit -3**. शोध प्रविधि<br>आलोचनात्मक प्रविधि<br>वैज्ञानिक प्रविधि<br>भाषिक अनुसंधान प्रविधि<br>शब्द-कोश निर्माण की प्रविधि<br>**Unit -4**. साहित्यिक अनुसंधान में ऐतिहासिक तथ्यों और पद्धतियों का उपयोग<br>साहित्यिक अनुसंधान में समाजशास्त्रिय प्रविधि का उपयोग<br>हिंदी अनुसंधान में सम्बद्ध विषयों की भूमिका |
| **Reference Books** | 1. नवीन शोधप्रकाशन संस्थान) तिलक सिंह.डॉ-विज्ञान-, दिल्ली(<br>2. शोधनेशनल पब्लिशिंग हाउस) विनय मोहन शर्मा.डॉ-प्रविधि-, दिल्ली(<br>3. अनुसंधान की प्रक्रियानेशनल पब्लिसिंग हाऊस) सावित्री सिंहा.डॉ-, दिल्ली(<br>4. अनुसंधान प्रविधिलोकभारती प्रकाशन) गणेशन.एन.एस.डॉ-, इलाहाबाद(<br>5. शोधःस्वरूप एवम् मानक व्यावहारिक कार्यवाणी प्रकाशन) बैजनाथ सहगल-विधि-, दिल्ली(<br>6. साहित्यिक अनुसंधान के आयामजैन.के.आर.डॉ- (नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली( |
| **Teaching Methodology** | व्याख्यान पद्धति, ब्लैक-बोर्ड पद्धति ,सामूहिक-चर्चा ,प्रश्नोत्तरी,पीपीटी द्वारा ,श्रव्य-दृश्य माध्यम ,कहानी-कथोपकथन द्वारा, असाइमेंट द्वारा |
| **Evaluation Method** | Internal Assessment: _50__ Marks<br>External Assessment: __50_____ Marks |

**Subject Code [2701001208050002]**

शोध परियोजना **-2 (RP-2) Course (Credits 06) (Total Marks 150)**

## **प्रश्नपत्र**-2 शोध परियोजना **(RP- Credits 06)** (Marks-150)

इसके अंतर्गत छात्रों को किसी भी हिंदी साहित्यक विधा की पुस्तक (खंडकाव्य, महाकाव्य, उपन्यास, नाटक, कहानी-संग्रह, निबंध-संग्रह, एकांकी-संग्रह, जीवनी, आत्मकथा) पर एक शोध-प्रकल्प अपने शोध-निर्देशक के मार्गदर्शन में मौलिक रूप से 50 पृष्ठों में टंकित रूप में जमा करवाना होगा। इसके मुद्दे पी.जी.केन्द्र संचालक की ओर से दिए जायेंगे। हरेक छात्र को अलग-अलग मुद्दे देने होंगे। इसकी मौखिकी मान्य पी-एच.डी. शोध-निर्देशकों द्वारा करवानी होगा। उन्हें उचित मानदेय देना होगा।